सुविचार

आपका आज का परिणाम आपके अतीत के किये हुए कर्म है, भविष्य बेहतर बनाना है तो आज के फैसलों को बदल दो।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

वर्ष 7, अंक-09 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 08 अप्रैल 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

परिवाद कौन दायर कर सकता है एवं परिवाद पर सुनवाई कौन सा मजिस्ट्रेट करेगा जानिए सम्पूर्ण जानकारी/CrPC....।

आज हम आपको कानून की ऐसी जानकारी देगे जिसको आम जनता की जानना बहुत जरूरी है क्योंकि वर्तमान समय में गरीब, निर्धन व्यक्ति एक शिकायत या एफआईआर को दर्ज करवाने के लिए अधिकारियों, नेताओ के सामने शिकायत कर कर ले परेशान होकर हार मान लेते हैं और इंसाफ नहीं मिल पाता है। लेकिन न्यायपालिका का निर्माण हुआ ही इसी लिए है कि व्यक्ति को निष्पक्ष न्याय मिले। जब आम जनता किसी अपराध की शिकायत या एफआईआर दर्ज थाने में नहीं करा पाती है तब तब उन्हें कोई रास्ता नहीं दिखता और उनका कानून पर से भरोसा उठ जाता है। लेकिन ऐसा नहीं है न्याय सभी को मिलता है इसके लिए किसी अपराध के मामले में अगर कोई अधिकारी सुनवाई नहीं कर रहा है तब आम व्यक्ति किसी शिकायत डारेक्ट न्यायालय में कर सकते हैं हम आपको आज बताते हैं कब ओर कैसे शिकायत की जाती है जानिए।

परिवाद- *दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 2(घ) के अनुसार कोई भी परिवाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है,परिवाद हमेशा आपराधिक मामलों में जैसे किसी भी संज्ञेय एवं असंज्ञेय अपराध में हो सकता है। अर्थात किसी व्यक्ति की कोई अपराधिक मामले में एफआईआर या शिकायत दर्ज नहीं हुई है या कोई अधिकार शिकायत दर्ज करने में मना कर रहा है तब पीड़ित व्यक्ति इसकी शिकायत(परिवाद) डारेक्ट मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को कर सकता हैं, ज्यादातर वकीलो या आम लोगो की भाषा में इसे निजी कम्प्लेंट या प्राइवेट शिकायत बोलते हैं।*

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कौन हैं एवं कहाँ बैठता है-?

दण्ड प्रक्रिया संहिता,1973 की धारा 12 के अनुसार हाईकोर्ट द्वारा प्रत्येक जिले में एक प्रथम वर्ग के मजिस्ट्रेट को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति देगा। अर्थात परिवाद की शिकायत पीड़ित व्यक्ति जिले के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के पास करेगा।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अपराध का संज्ञान कब लेगा जानिए-

कोई भी व्यक्ति डारेक्ट मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष को लिखित या मौखिक परिवाद(शिकायत) दर्ज करता है तब मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दण्ड प्रक्रिया संहिता,1973 की धारा 190(ग) के अंतर्गत अपराध पर तुरंत स्वंय संज्ञान लेगा या 190(2) के अनुसार किसी द्वितीय वर्ग मजिस्ट्रेट को अपराध की जांच, विचारण करने का अधिकार दे सकता है। उपर्युक्त बातो से स्पष्ट होता है की किसी भी व्यक्ति को न्याय से न्यायपालिका बांछित नहीं कर सकती है एवं सभी को यह जानकारी होना आवश्यक है कि वह न्यायपालिका से कैसे न्याय प्राप्त कर सकता है।

■ लेखक बीआर अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद) 982737665

भोपाल की दो बिल्डिंग में भीषण आग

उद्यमिता भवन की चौथीं मंजिल पर बड़ी आग,3 घंटे में काबू पाया

भोपाल। राजधानी भोपाल में शुक्रवार सुबह दो बिल्डिंगों में भीषण आग लग गई। सबसे पहले सुबह 6 बजे जेल पहाड़ी स्थित उद्यमिता भवन में बड़ी आग लगी। इसके कुछ देर बाद ही एमपी नगर की एक प्राइवेट बिल्डिंग में आग लग गई। दोनों जगह आग पर काबू पाने में पुलिस और नगर निगम के कर्मचारियों को खासी मशक्कत करना पड़ी। उद्यमिता भवन में स्स्क्कुष्ठ्ट के ऑफिस में लगी आग पर करीब 3 घंटे में काबू पा लिया गया, लेकिन चिंगारी दोपहर तक निकलती रही। 30 से ज्यादा दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया गया। जेल पहाड़ी स्थित उद्यमिता भवन में स्स्क्कुष्ठ्ट (एमपी इंस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड) का ऑफिस है। इसमें सुबह आग लग गई। आग से फर्नीचर, एसी-कूलर, पंखे, जरूरी दस्तावेज आदि

जलकर राख हो गए। हालांकि, आग बुझाने के बावजूद धुआं निकल रहा है। इस कारण किसी को भी भीतर नहीं जाने दिया जा रहा है। फायर ऑफिसर रामेश्वर नील ने बताया, आग लगने की वजह पता नहीं चल पाई है। करीब 20 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया जा सका। पुलिस की दमकलें भी आग पर काबू पाने में लगी रही।

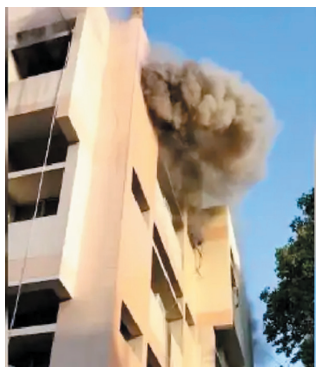

चौथीं मंजिल पर आग बुझाना बड़ी चुनौती बनी

आग ने बिल्डिंग की पूरी चौथीं मंजिल को आग में घेर लिया था। करीब 80 फीट की ऊंचाई पर लगी आग को बुझाने की फायरकर्मियों के लिए बड़ी चुनौती रही। इसके लिए क्रेन की मदद भी ली गई। बिल्डिंग के चारों तरफ दमकलें लगाई गई। फ्रंट साइड में शीशे तोड़कर अंदर पानी की बौंछार की गई।

■ **एक पर काबू पाते, तभी दूसरी जगह की आ गई खबर:** फायर ऑफिसर नील ने बताया, उद्यमिता भवन में लगी आग पर काबू पाते, इससे पहले एमपी नगर में आग लगने की खबर आ गई। वहां भी दमकलें भेजी गई। प्राइवेट बिल्डिंग में भीषण आग लगी हुई थी।

इंदौर में इंडेक्स मेडिकल कॉलेज छात्र सुसाइड केस

इंदौर। इंडेक्स कॉलेज में हुए छात्र के सुसाइड के बाद अब परिवार और समाज जन ने सीबीआई जांच की मांग की है। मामले में इंदौर, धार, देवास जिले के पार्टी के महामंत्री सहित समाज के सभी एक होकर उग्र आन्दोलन की बात कह रहे हैं। सभी ने मामले की निष्पक्ष जांच के साथ डीन व अन्य आरोपियों छात्रों की गिरफ्तारी की बात कही है। पाटीदार समाज के छात्र चेतन पाटीदार की मौत के बाद जहां परिवार वाले और समाज का पुलिस प्रशासन से अब विश्वास उठ गया है। छात्र की मौत के न्याय को लेकर समाज के वरिष्ठ नेताओं द्वारा भोपाल में शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा गया जिसमें पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग करते हुए जल्द अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की बात कही गई है। वहीं मामले में परिवार का आरोप है कि राजनीतिक संरक्षण व साफ छवि दिखाते हुए पुलिस कॉलेज के डीन की गिरफ्तारी नहीं कर रही है। वहीं पुलिस आरोपियों को बचाने की कोशिश कर रही है।

निःशुल्क विधिक सहायता नागरिकों का संविधान के किस अनुच्छेद में मौलिक अधिकार है जानिए/ Indian Constitution

कोई भी व्यक्ति न्यायालय तभी जाता है जब उसे लगता है कि जिस अपराध का इल्जाम उस पर लगाया गया है वह गलत है। लेकिन पैसे की कमी के कारण वह एक अच्छा वकील नही कर सकता है। ऐसे न जाने कितने अभियुक्त(मुलजिम या आरोपी) आज अपराधी बन गए हैं। ओर जो अपराध उन्होंने किया नहीं था उसकी सजा भुगत रहे हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हमारे संविधान में अनुच्छेद 39 (क) 42 वे संशोधन 1976 द्वारा जोड़ा गया। यह अनुच्छेद प्रत्येक राज्य को निदेश करता है कि वह गरीब, कमजोर, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सदस्य, कोई भी महिला, या किसी भी अभियुक्त को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करेगा। और इसको लागू करवाना न्यायालय का परम कर्तव्य है।

निःशुल्क विधिक सहायता मौलिक अधिकार है जानिए।(निर्णायक वाद)-

1. एम. एच.हासकाट बनाम महाराष्ट्र राज्य- उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि दोषसिद्धि व्यक्ति को उच्च न्यायालय में अपील फाइल करने का मूल अधिकार है। एवं उसे निर्णय की प्रतिलिपि निःशुल्क पाने एवं निःशुल्क कानूनी सहायता पाने का अधिकार प्राप्त है। अगर उनकी इन बातों का उल्लंघन होता है तो यह संविधान के अनुच्छेद 21 दैहिक स्वतंत्रता पर अतिक्रमण होगा। उसे निःशुल्क विधिक सहायता देना राज्य का कर्तव्य है।

राज्य का कर्तव्य है निःशुल्क विधिक सहायता न कि राज्य का दान?

न्यायाधिपति श्रीमान श्रीकृष्ण अय्यर ने बहुत का निर्णय सुनाते हुए यह अवलोकन किया है कि निःशुल्क विधिक सहायता राज्य का कर्तव्य है न कि राज्य का दान।

मजिस्ट्रेट को आरोपी को स्वंय बताना होगा कि उसे निःशुल्क विधिक सहायता मिलती है?

निर्णायक वाद सुखदास बनाम संघ राज्य क्षेत्र अरूणाचल प्रदेश? -- इस मामले में आरोपी बहुत ही निर्धन था जानकारी एवं पैसों के अभाव के कारण उसे निःशुल्क विधिक सहायता नहीं मिल सकी। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि अभियुक्त को निःशुल्क विधिक सहायता के लिए कही आवेदन देने की आवश्यकता नहीं है, यह राज्य सरकार का कर्तव्य है कि वह उसे बताये की उसे निःशुल्क विधिक सहायता पाने का अधिकार प्राप्त है। एवं मजिस्ट्रेट को भी बताना चाहिए की उसे निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने का अधिकार है। अगर ऐसे आरोपी को निःशुल्क विधिक सहायता नहीं मिलती है तो यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 का सीधा उल्लंघन माना जायेगा।

- लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान(महिला सामाजिक कार्यकर्ता अलीगढ़ उत्तर प्रदेश)

मिथलेश मेहरा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त

उदयपुरा। मेहरा समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर के मेहरा ने सुभाष डेहरिया महासचिव मेहरा समाज संघ एवं खेमराज झरिया राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मेहरा समाज महासंघ की अनुशंसा पर रायसेन जिले के चर्चित चेहरा समाजसेवी , मिथलेश मेहरा पत्रकार को मेहरा समाज संघ में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (मीडिया प्रकोष्ठ)बनाया गया है। ज्ञातव्य हो की मिथलेश मेहरा लगातार उदयपुरा पत्रकार संघ के 10 वर्ष अध्यक्ष राह चुके है एवं पूर्व सांसद प्रतिनिधि, जिला महासचिव एस सी प्रकोष्ठ रायसेन ,जैसे विभिन्न पदों पर रह चुके है उनकी इस नियुक्ति पर उनको नगर वासियो ने बधाई प्रेषित की है।

जिले के 155331 उपभोक्ताओं को बिजली बिलों में 103 करोड़ रुपये की राहत

रायसेन। स्वास्थ्य मंत्री डा. प्रभुराम चौधरी ने गुरुवार को रायसेन वन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विद्युत बिलों में राहत योजना 2022 का कन्या पूजन तथा दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया। एक किलोवाट तक के संयोजित भार वाले वे सभी घरेलू उपभोक्ताए जिनकी 31 अगस्त 2020 की स्थिति में बकाया मूल राशि एवं अधिभार राशि को आस्थगित किया गया था। ऐसे सभी घरेलू उपभोक्ताओं को योजना का लाभ मिलेगा। डॉ. चौधरी ने बताया कि जिले में कुल 155331 उपभोक्ताओं को बिजली बिल में लगभग 103 करोड़ रुपये की राहत दी गई है। सांची विधानसभा क्षेत्र में 44656 उपभोक्ताओं को योजना के तहत बिजली बिल में राहत दी गई है। देहगांव क्षेत्र में 4042 उपभोक्ताओं को बिजली बिल में 225.54 लाख रुपये, गैरतगंज क्षेत्र में 10722 उपभोक्ताओं के 572.85 लाख रुपये, रायसेन शहरी क्षेत्र में 4327 उपभोक्ताओं के 308.23 लाख रुपये, रायसेन ग्रामीण क्षेत्र में 15358 उपभोक्ताओं के 800.01 लाख

रुपये तथा सलामतपुर क्षेत्र में 10207 उपभोक्ताओं के 582.19 लाख रुपये के बिजली बिल माफ किए गए हैं।

खरबई में अन्ना उत्सव का किया शुभारंभः डा. चौधरी ने जिले के ग्राम खरबई में कन्यापूजन कर अन्ना उत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार को प्रत्येक वर्ग की चिंता है। किसी गरीब की थाली खाली ना रहेए इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा एक रुपये प्रति किलो के मान से जरूरतमंद परिवारों को खाद्यान्ना प्रदान किया जा रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्ना योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रति सदस्य पॉच किलो राशन के मान से निःशुल्क खाद्यान्ना प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने रूकमणी बाई, सीताराम विश्वकर्मा, गुलाब बाई, हीरा बाई सहित अन्य हितग्राहियों को खाद्यान्ना वितरित किया गया।

तीन लाख 65 हजार मूल्य की वनोपज सौंपी

डा. चौधरी ने वन विभाग द्वारा रायसेन जिले के ग्राम अगरिया चौपड़ा में आयोजित स्थानीय समुदायों द्वारा वन प्रबंधन से प्राप्त लाभ का वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ग्राम अगरिया से वन विभाग द्वारा यह पहल की गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने ग्राम वन समिति अगरिया चौपड़ा की स्वीकृत सूक्ष?म प्रबंध योजना के क्रियान्वयन से वित्तीय वर्ष 2021-22 में प्राप्त तीन लाख 65 हजार 492 रुपये की वनोपज, ग्राम वन समिति अगरिया चौपड़ा को प्रदान की। डीएफओ अजय पाण्डेय ने कहा कि लगभग 20 वर्ष से वनों का संरक्षण और संवर्धन जनसहभागिता से किया जा रहा है। अगरिया चौपड़ा की स्थानीय समिति ने एक महीने में कार्ययोजना बनाई और जंगल की सफाई का कार्य किया। इससे प्राप्त 365492 रुपये मूल्य की इमारती लकड़ी समिति को निश्शुल्क प्रदान की जा रही है।

संत रविदास मंदिर की भूमि और छति पहुंचाने को लेकर ज्ञापन

मूलचन्द मेधोनिया सहसंपादक कबीर मिशन समाचार पत्र भोपाल मोबाइल 8878054839

भोपाल। ग्राम बीनापुर बैरसिया रोड जिला भोपाल। संत रविदास महाराज के मंदिर को नुकसान पहुंचाने और मंदिर की जमीन शासन प्रशासन द्वारा हड़प जाने के विरोध में। मंगलवार को 1ः00 बजे भोपाल जिला डिप्टी कलेक्टर महोदया निशा बांगरे जी को ज्ञापन सौंपा गया। बिनापुर संत शिरोमणि रविदास मंदिर समिति के उपाध्यक्ष श्री रंजीत अंबेडकर, बहुजन समाज पार्टी के पूर्व प्रत्याशी सांसद श्री माधव सिंह अहिरवार, अनुसूचित जाति संत रविदास कल्याण फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री महेश नंद महर जी, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद नई दिल्ली जिला शाखा भोपाल के जिला अध्यक्ष श्री महेश जाटव जी, मध्य प्रदेश प्रवक्तासुमेर सिंह जाटव संत रविदास कल्याण फाउंडेशन भारत, संत रविदास कल्याण फाउंडेशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी मूलचन्द मेधोनिया और भी कई गणमान्य व्यक्तियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपना विरोध जताते हुए ज्ञापन सौंपा, और मांग की है कि शीघ्र ही संत शिरोमणि सतगुरु रविदास मंदिर की भूमि को सुरक्षित करवाया जाये। प्रेस वार्ता में सुमेर सिंह जाटव ह्यष्.ह्यह्ल.श्ङ्कष् भाइयों से निवेदन किया है कि हमारे महापुरुषों कि किसी भी तरह से मूर्तियों को, प्रतिमाओं को कोई भी किसी भी वर्ग के व्यक्ति ने अगर नुकसान पहुंचाया तो समाज बर्दाश्त नहीं करेगी फिर चाहे जो भी हो, शासन और प्रशासन को भी चेताया जाता है व समझाया जाता है कि अगर हमारे कोई भी महापुरुष की मूर्ति कहीं भी क्षत-विक्षत हुई तो इसके जिम्मेदार शासन और प्रशासन की होगी। उग्र आंदोलन किया जाएगा धरना प्रदर्शन किया जाएगा भव्य प्रदर्शन किया जावेगा। ह्यष्.ह्यह्ल.श्ङ्कष् भाइयों से सुम्मेर सिंह जाटव ने निवेदन किया है कि एकता में अखंडता है, हम हाथों की उंगली ना बने, बल्कि उंगलियों से एक मजबूत मुक्का बनाएं?। और विरोधियों को सबक सिखाना चाहिए।जिससे हमारे वर्ग के महापुरुषों के स्थलों पर कोई भी छति न पहुंचने की कोशिश करें।

महान वीर शहीद मनीराम जी अहिरवार

लघुलेख

बलिदानों से जिनके, आज भारत देश आजाद है। मात्रृभूमी के वीर सपूत, मनीराम जी तुम पर नाज है।। महान वीर शहीद मनीराम जी अहिरवार का जन्म 21 नबम्वर 1915 को मध्यप्रदेश के जिला नरसिंहपुर तहसील गाडरवारा के नगर चीचली में हुआ था। उन्होंने सन 19 42 के स्वतंत्रता आंदोलन में अंग्रेजी सेना से युद्ध लडा और उन्हें परास्त किया। जब चीचली राजमहल पर अंग्रेजी सेना द्वारा आक्रमण कर अपने अधिकार एवं कब्जा करने आये। तब वीर मनीराम अहिरवार जी ने अंग्रेजी सेना से भीषण युद्ध लडा। महात्मा गांधी के आवाहन पर देश भर में सविनय आन्दोलन और अंग्रेजों भारत छोड़ो अभियान संपूर्ण रूप से देश भर में फैल चुका था। ऐसे देश भक्ति के आन्दोलन में पूर्व में वीर मनीराम जी अहिरवार के भाई भगवत सिंह उर्फ गुनऊ देश के आन्दोलन में जा चुके थे। जिन्होंने वहां विदेशी हुक्मरानों से युद्ध लड़कर वीरगति को प्राप्त हो गये। वीर मनीराम अहिरवार जी ने जब चीचली गोंड महल पर आक्रमणकारियों को युद्ध में ऐसे मार भगाये जो घायल अवस्था में लहू-लुहान होकर अपनी जान बचाकर भाग गये थे। अंग्रेजों ने वीर मनीराम अहिरवार जी की वीरता एवं क्रांतिकारी युद्ध में विजय प्राप्त करने पर उन्हें कूटनीति व छल करके गिरफ्तार किया गया। 23 अगस्त को वीर मनीराम अहिरवार जी के युद्ध में इन पर चलीं गोलीयों में मेहरा, डेहरिया समाज की उपजाति कतिया वीरांगना गौरादेवी जो कि अनुसूचित जाति के अंतर्गत आने वाली महान महिला घटना स्थल पर शहीद हुई। वीर मनीराम जी अंतिम सांस तक अंग्रेजी सेना से लडते रहे। उन्होंने डटकर सामना किया था। लेकिन उस समय जाति भेदभाव और छोटी मानसिकता के कारण वीर मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय सम्मान से वंचित रखा। अनुसूचित जाति /जनजाति के लोगों में पढें लिखें लोगों का अभाव था। इस कारण शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी का सम्मान से वंचित रहना पडा। परिवार के पुत्र छोटे थे, कोई जानकारों ने भी उनकी आवाज नहीं उठाई। केवल वीर मनीराम अहिरवार जी के युद्ध के प्रत्यक्षदर्शी में सेनानी नर्मदा

प्रसाद ताम्रकार जी ने अपने लेख और भाषणों में जरूर उनके योगदान को स्मरण करते रहे हैं। उन दिनों के लेखक और पत्रकार लोगों ने भी वीर मनीराम अहिरवार जी के सन्दर्भ में लेख किया है। वीर मनीराम अहिरवार जी को भारी यातनाएं व जुल्म देकर सजा ए मौत दी गई थी। आज के जागरूक लोग और मुझ जैसे युवा पीढ़ी मांग करते है कि हमारी समाज जो कि अनुसूचित जाति के ऐसे महान बलिदानी वीरों की शहादत को सदा याद रखें। जिन्होंने गुलामी व बेगारी प्रथा के विरुद्ध लड़कर बेड़ियों को तोड़ने का महान कार्य कर हमें स्वाभिमान से जीना सिखाया है। अतः शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय सम्मान मिलना चाहिए और क्रांतिकारियों की सूची में नाम हो। जिनकी कुर्बानी से आज हम आजादी की सांस ले रहे है। उनके महान बलिदान से हमें भी देश के प्रति सदैव समर्पित भावना रखनी चाहिए।

नमन ये वीर तुम्हें,
तुमने दी आजादी हमें।
इस आजादी का मूल्य हम चुकायेगें।
सदैव देश के लिए समर्पित हम कहलायेंगे।।

लेखक: छात्रा शिवानी मेहरा
ग्राम - टिकटोली तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर (मध्यप्रदेश)

संविधान गीत

आओ बच्चों तुम्हें बताएं
महत्व संविधान का
पशुओं से बदतर था जीवन
लिख संविधान भारत का
मान बढ़ाया इंसान का
उंचनीच का भेद मिटाया
एक ब्यक्ति एक मत
सबको मिला मौका स्वाभिमान का
आओ बच्चों तुम्हें बताएं
महत्व संविधान का
शोषितों का हक जो
छिनते थे ?
दलित पीड़ित की गिनती
गिनते थे?
भूमि संपत्ति से वंचित
रखते थे ?
संपुर्ण सुविधा सामंतभोगते थे,
लिखकर संविधान भीम ने
समता समानता प्रेम बंधुत्व
से सबका जीवन
किया आसान सा
आओ बच्चों तुम्हें बताएं
महत्व संविधान का
शिक्षा हासिल करके तुम
अफसर जब बन जाओगे
सुख सुविधा पाकर तुम
जीवन में खुशियां पाओगे
खाओ तुम कसम बच्चों
संविधान को ना भुलाओगे
कर्ज बाबा साहेब का
तुम जीवन भर चुकाओगे
मान रखोगे संविधान के
आन बान शान का
आओ बच्चों तुम्हें बताएं
महत्व संविधान का

हरीश पांडल
विचार क्रांति
छत्तीसगढ़

मेरी आवाज़ सुनो

हे मां शक्ति,
कैसे करूं भक्ति।
महंगाई की मार से,
मेरी आत्मा दुखती,

हे मां शक्ति,
कैसे करूं भक्ति।
बलात्कारियों के हौसले से,
मेरी आत्मा रोती।

हे मां। शक्ति,
कैसे करूं भक्ति,
बेरोजगारी की मार से,
काबिलियत की आत्मा दुखती।

हे मां शक्ति,
कैसे करूं भक्ति।
भ्रष्टाचार की आंधी से,
मेरी आत्मा बुझती।

ऐसा रच विधान,
हर समस्या का हो निदान।
बेरोजगारी पर लगे विराम,
खुशहाल रहे आवाम।
-

अंशु कवि
नारायण मासाब
सेमरी हरचंद
जिला नर्मदापुरम

रेत खदान पर छापा, सात डंपर जब्त किए

नर्मदापुरम। जिले में रेत के अवैध कारोबार को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। मुख्यालय सहित आसपास के इलाकों में रेत के अवैध करोबार पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासनिक अमला कार्रवाई कर रहा है। बुधवार रात करीब 1.30 बजे राजस्व, खनिज व पुलिस अमले ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए रेत से भरे सात डंपर जब्त किए हैं। प्रशासन की टीम अब यह पता लगाने में जुटी हुई है ये डंपर किसके हैं और किसके इशारे पर रेत का अवैध खनन कर परिवहन कर रहे थे। वहीं सूत्रों की मानें तो जिले के ही रसूखदार रेत माफिया के इशारे पर रेत खदान पर डंपर पहुंचे थे, लेकिन प्रशासन ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए रेत माफिया पर कार्रवाई की है। प्रशासन पूरे मामले को लेकर जल्द ही पर्दाफाश कर सकता है। खनिज अधिकारी का कहना है कि जिले की अन्य रेत खदानों पर भी जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। रेत माफिया पर कार्रवाई करने के लिए निर्देश कलेक्टर नीरज सिंह ने अधिकारियों को दिए हैं। मरोड़ रेत

खदान पर रेत उठाने पहुंचे डंपरों की सूचना जैसे ही प्रशासन के पास टीमों को अलर्ट कर दिया गया था। इटारसी एसडीएम मदन सिंह रघुवंशी की अगुवाई में टीम गठित की गई व देर रात छापामार कार्रवाई शुरू की गई। जैसे ही प्रशासन की टीम खदान पर पहुंची तो रेत माफिया में हड़कंप मच गया। खदान में मौजूद कई डंपर चालकों ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस टीम ने पकड़ लिया। एक साथ सात डंपरों को जब्त किया गया है। कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के फोन भी घनघनाते रहे, लेकिन निर्देश मिले थे कि जब तक कार्रवाई पूरी न हो जाए कोई भी फोन पर बात नहीं करेग। करीब दो घंटे तक प्रशासनिक अमले ने कार्रवाई की।

थाना-बैहर, जिला- बालाघाट पुलिस को मिली बड़ी सफलता

■ कान्हा नेशनल पार्क की फर्जी वेबसाईट बनाकर रिसोर्ट में ऑनलाईन बुकिंग के नाम पर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अपराध का खुलासा सेरेनिटि जंगल रेट्रिट गुदमा के नाम से फर्जी होटल बाउचर से ठगी करने के संबंध में मेनेजर द्वारा प्रस्तुत आवेदन की किसी अजय कुमार गर्ग द्वारा उनके रिसोर्ट के फर्जी बाऊचर तैयार कर लोगो की ऑनलाईन बुकिंग कराई जा रही है, जिससे हमारे प्रतिष्ठान का नाम खराब हो रहा है और हमारे व्यवसाय पर विपरित असर पड़ रहा है। उक्त व्यक्ति के द्वारा लोगो से हमारे प्रतिष्ठान के नाम से ऑनलाईन ठगी की जा रही हैं, आवेदन की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक महोदय श्री समीर सौरभ (भा.पु.से.) के

निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर श्री विजय डाबर एवं उप पुलिस अधीक्षक श्री गौरव पाटिल के मार्गदर्शन में थाना बैहर से टीम बनाकर त्वरित कार्यवाही हेतु बताकर थाना बैहर में अपराध माँक 95/2022 धारा 420, 467, 468, 471 भादवि का कायम कर विवेचना में लिया गया। थाना बैहर की टीम के द्वारा अजय कुमार गर्ग उर्फ अजय कुमार शुक्ला पिता बलवीर प्रसाद शुक्ला बिजूरी, जिला अनूपपुर म.प्र. को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसके द्वारा बताया गया कि पूर्व में वह कान्हा नेशनल पार्क क्षेत्र के कान्हा ट्रेजर इन, अरण्य एवं ग्राण्ड पीपल रिसोर्ट में काम कर चुका था। कान्हा नेशनल पार्क के नाम से अजय गर्ग उर्फ अजय शुक्ला के द्वारा kanhanationalparkonlinesafarir@oka&isकी एक फर्जी वेबसाईट तैयार कर कान्हा सफारी के लिये विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों से आने वाले लोगो को वह फर्जी बुकिंग कराकर संबंधित व्यक्तियों को फर्जी इंवॉईस भेज दिया करता था और उनसे रिसोर्ट में ठहरने एवं सफारी आदि के सम्पूर्ण किराये की राशि अपने एकाउंट में ऑनलाईन ट्रांसफर करा लिया करता था। आरोपी के द्वारा मोबाइल नम्बर 8458920675 की सिम से विभिन्न लोगो के साथ ऑनलाईन ठगी की गई है, जो मोबाइल एवं सिम आरोपी से जप्त हुआ हैं।

सराहनीय भूमिका-

सराहनीय कार्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर श्री विजय डाबर, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बैहर श्री गौरव पाटिल, निरीक्षक जयपाल इनवाती, सउनि राजकुमार हिरकने, सउनि अयूब खान, आरक्षक उमेश मालवीय एवं सायबर सेल बालाघाट का अपराध खुलासा करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा हैं।

अब किसी भी ATM पर बिना डेबिट कार्ड इस्तेमाल किए निकाल सकेंगे नगदी, RBI ने दी सुविधा

नई दिल्ली। अब जल्द ही बैंकों के ग्राहक यूपीआई की मदद से किसी भी बैंक के एटीएम से कार्डलेस नकद निकासी कर सकेंगे। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस का उपयोग करके सभी बैंकों और एटीएम के लिए कार्डलेस नकद निकासी का विकल्प उपलब्ध कराया जाएगा। फिलहाल यह सुविधा कुछ ही बैंकों तक सीमित है। आज मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने यह बात कही। आरबीआई ने एक बयान में कहा, नकद निकासी

लेनदेन शुरू करने के लिए कार्ड की आवश्यकता के अभाव में स्किमिंग, कार्ड क्लोनिंग, डिवाइस से छेड़छाड़ आदि जैसी धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिलेगी। सभी बैंकों और सभी एटीएम नेटवर्क / ऑपरेटरों में कार्ड-रहित नकद निकासी सुविधा को प्रोत्साहित करने के लिए, यह प्रस्तावित है यूपीआई के उपयोग के माध्यम से ग्राहक प्राधिकरण को सक्षम करने के लिए, जबकि इस तरह के लेनदेन का निपटान एटीएम नेटवर्क के माध्यम से होगा। कार्डलेस नकद निकासी सुविधा के तहत, व्यक्ति ऑटोमेटेड टेलर मशीन (एटीएम) पर किसी भी डेबिट कार्ड का उपयोग किए बिना नकदी निकाल सकते हैं। कार्डलेस निकासी अनुरोध न्यूनतम ?100 प्रति लेनदेन और अधिकतम ?10,000 प्रति दिन या ?25,000 प्रति माह के लिए एक ग्राहक के लिए शुरू किया जा सकता है। एटीएम के माध्यम से कार्ड-रहित नकद निकासी देश के कुछ बैंकों द्वारा ऑन-अस आधार पर (अपने ग्राहकों के लिए अपने स्वयं के एटीएम पर) लेन-देन का एक तरीका है।

लूट करने वाले आरोपी मैकू पडवार को पुलिस ने 24 घंटे के अन्दर किया गिरफ्तार

चचाई। अनूपपुर जिले की कमान जबसे पुलिस अधीक्षक अखिल पटेल को दी गई है तबसे जिले में कानून व्यवस्था पूरी तरह से सतर्क है जहां अपराधियों के ऊपर नकेल कसी जा रही जिसमें कबाड़चोरी,पशुतस्कर, अवैध कोयले का परिवहन गाजा तस्कर व निगरानी बदमाशों पर भी कार्यवाही की जा रही वही चचाई थाना क्षेत्र अंतर्गत दिनांक 04/04/2022 को पीत अनिकेश सिंह पिता नागेश सिंह उम्र 21 वर्ष निवासी कमरा न.डी 29 बजार चौराहा चचाई का करीब 06 से 07 बजे शाम चचाई डेम मे घुमने के लिये गया हुआ था व काला मोटा पाईप के पास पहुंचा तो आरोपी मैकू उर्फ रामनिवास निवासी मेहर बाबा के पास चचाई का मिला आहत से बीड़ी पीने के लिये माचिस मागा अनिकेश सिंह माचिस न होने से मना कर दिया इस पर मैकू पडवार आहत अनिकेश सिंह के हाथ में रखें मो.स्स् कंपनी का जियो की सिम लगी हुई कीमती 7000रू का छोडाने लगा विरोध करने पर लोहे के हसिया से सिर में मारा व जिसमें अनिकेत सिंह गिर पड़ा व आरोपी मोबाईल छुड़ाकर भाग गया रिपोर्ट पर अपराध धारा 394 ताहि0 का अपराध कायम किया गया व पुलिस अधीक्षक महोदय अनूपपुर अखिल पटेल अति पुलिस अधीक्षक महोदय अभिषेक राजन के कुशल निर्देशन में एवं एसडीओपी अनूपपुर सुश्री कीर्ति सिंह

बघेल के कुशल नेतृत्व में थाना प्रभारी बी.एन.प्रजापति, उप निरी यूएन मिश्रा, सउनि महिपाल प्रजापति, प्र.आर राजेन्द्र राठौर, और अब्दुल कलीम के द्वारा 24 घण्टे के अंदर आरोपा मैकू उर्फ रामनिवास पिता अमोली पडवार (पनिका) उम्र 55 वर्ष निवासी लाघाटोला थाना राजेन्द्रग्राम जिला हाल निवासी चचाई मैहर बाबा के घर के पास को गिरफ्तार करने में अहम भूमिका रही हैं।

इनका कहना है

उच्च अधिकारियों को सूचित करते हुए साइबर सेल व पुलिस स्टाप की मदद से आरोपी को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

बी एन प्रजापति
थाना प्रभारी चचाई

नपाध्यक्ष के फर्जी हस्ताक्षर कर सीएमओ ने की करोड़ों की खरीदी

बिजुरी। नगरपालिका परिषद बिजुरी के उपाध्यक्ष शतीस शर्मा ने परिषद कि बैठक के एजेंडा में हाई मास्ट लाईट खरीदी का प्रस्ताव लाऐ बिना किये गये खरीदी के भुगतान रोके जाने के लिये मुख्य नगरपालिका अधिकारी बिजुरी को पत्र लिखा है, जिसमें सीएमओ पर सीधा आरोप लगाते हुये उन्होने लेख किया है कि परिषद कि बैठक के किसी भी एजेंडे में हाई मास्ट लाईट का प्रस्ताव आये बिना ही आपके द्वारा ठेकेदार से मिलीभगत कर लगभग दो करोड़ रूपये का हाई मास्ट लाईट बाजार मूल्य से कयी गुना अधिक दर पर खरीदी किया गया है। जिसकी जानकारी परिषद के किसी भी पार्षद को नही दी गयी है।

नगरपालिका अध्यक्ष को भी लिखा पत्र-

नपा उपाध्यक्ष शतीस शर्मा ने नगरपालिका परिषद बिजुरी के अध्यक्ष पुरूषोत्तम सिंह को भी पत्र लिखकर अध्यक्ष के फर्जी हस्ताक्षर कर बिना जानकारी के करोड़ों रूपये का ऑन लाईन जेम पोर्टल के माध्यम से खरीदी कर भुगतान किये जाने कि जानकारी दी गयी है, उन्होने अध्यक्ष से मांग की है कि कुछ दिन पूर्व ऑनलाईन जेम पोर्टल के माध्यम से किये गये खरीदी से सम्बंधित दस्तावेजों एवं हस्ताक्षर कि जांच कर सात दिवस के भीतर उचित कार्यवाई कर हमें भी अवगत करायें, जिससे अगर बिना आपके जानकारी के खरीदी एवं भुगतान कर भृष्टाचार किया गया है, तो उसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से किया जा सके।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी के भृष्टाचार कि खुली पोल-

नगरपालिका उपाध्यक्ष द्वारा बिना नपाध्यक्ष व पार्षदों कि जानकारी के मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा

करोड़ों रूपये के हाई मास्ट लाईट खरीदी कि जांच करने के पत्र के बाद स्पष्ट हो गया कि यहां बैठे अधिकारी किस तरह से नियम कानूनों कि धज्जियां उड़ाते हुये अपनी जेब भरने में व्यस्त हैं, वहीं आम जनता लगातार बुनियादी सुविधाओं को तरस रही है। सीएमओ द्वारा किये गये करोड़ो रूपये के भृष्टाचार से पता चलता है की वह सिर्फ और सिर्फ टेबिल के नीचे से आने वाली लक्ष्मी के उपासक हैं, ना कि नगर व नगरवासियों के विकास के लिये प्रयासरत हैं। यही नही उनके साथ परिषद के कर्मचारियों कि मिली भगत भी साफ झलक रही है। जब एक मामले में करोड़ों रूपये का भृष्टाचार हुआ है तो हिसाब लगाया जा सकता है कि अन्य और मामलों में भी क्या ना किया किया गया होगा। मतलब साफ है कि पूरे एक वर्ष में बिजुरी नगरपालिका भृष्टाचार कि कार्यशाला बन चुकी है।

नगरपालिका बिजुरी में भृष्टाचार चरम पर-

गौरतलब है कि नगरपालिका बिजुरी बीते एक वर्ष

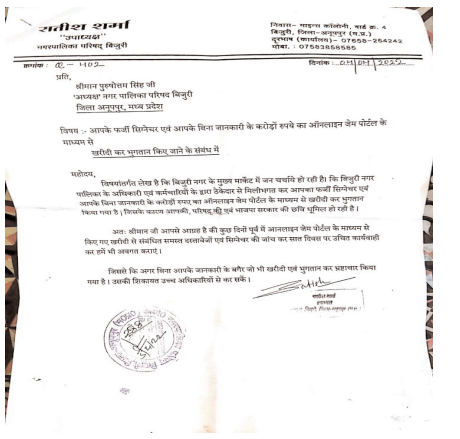

में भृष्टाचार की चरम सीमा को भी पार कर चुका है, यहां जनप्रतिनिधियों को हासिये पर रखकर अधिकारी कर्मचारी मनमर्जी पूर्वक नियमों कि तिलांजली देकर सिर्फ पैसा बटोरने में लगे हुये हैं, उन्हे ना जनता से सरोकार है और ना ही नगर विकाश से कोई मतलब है। यही कारण है कि पूरे मध्यप्रदेश राज्य में शीर्ष 05 नगरपालिकाओं में से एक नगरपालिका बिजुरी का ग्राफ विकास के पायदान में बढ़ने के बजाय लगातार नीचे कि ओर गिरता चला जा रहा है। जिससे रूष्ट होकर नगरपालिका उपाध्यक्ष ने भृष्टाचार के खिलाफ अवाज बुलंद की है। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या नपा उपाध्यक्ष द्वारा की गयी शिकायत पर किसी प्रकार की ठोस कार्यवाई होती है, या फिर पहले जैसे इस शिकायत को भी रद्दी की टोकरी में डालकर यह साबित कर दिया जायेगा कि शिवराज है तो भृष्टाचार है, वर्ना कार्यवाई तो समान्य बात है।

43 कलाकारों को मिलेगा संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार

नई दिल्ली। संगीत नाटक अकादेमी 9 अप्रैल 2022 को वर्ष 2018 के पुरस्कार अर्पण समारोह का आयोजन करने जा रही है। इस समारोह में देश भर से चयनित प्रख्यात संगीतकारों, नर्तकों, लोक एवं आदिवासी कलाकारों और रंगकर्मियों को उनके विशिष्ट योगदान हेतु वर्ष 2018 के लिए घोषित संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। भारत में प्रदर्शन कला वर्ग में दिए जाने वाला यह सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार है। इस साल अकादेमी पुरस्कार दिल्ली के विज्ञान भवन में माननीय उप राष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू द्वारा दिया जाएगा। इस पुरस्कार अर्पण समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर माननीय उप राष्ट्रपति श्री एम वैंकेया नायडू, सम्मानीय अतिथि, माननीय केंद्रीय संस्कृति मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी और माननीय संसदीय कार्य और संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी उपस्थित रहेंगी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संगीत नाटक अकादेमी और ललित कला अकादेमी की अध्यक्ष उमा नंदूरी करेंगी। संगीत नाटक अकादेमी की सचिव टेमसुनारो जमीर ने बताया कि पुरस्कार वितरण की परंपरा 1952 से चली आ रही है। इस कार्यक्रम में संगीत, नृत्य, रंगमंच, पारंपरिक कलाओं, कठपुतली कला और अन्य विविध प्रदर्शन कला के क्षेत्र में कलाकारों द्वारा दिए गए विशिष्ट योगदान के लिए उन्हें रत्न सदस्यता और अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। पुरस्कारों का निर्णय अकादेमी महापरिषद् लेती है, जिसमें देश भर से नामित प्रतिष्ठित संगीतकार, नर्तक, थिएटर कलाकार और विद्वान

सुरेश वाडेकर और मालिनी अवस्थी

शामिल होते हैं। संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार प्रदर्शन कला के क्षेत्र में प्रदर्शन करने वाले कलाकारों के साथ-साथ शिक्षकों और विद्वानों को भी यह राष्ट्रीय सम्मान दिया जाता है। यह सम्मान न केवल उत्कृष्टता और उपलब्धियों के सर्वोच्च मानक का प्रतीक है, बल्कि निरंतर व्यक्तिगत कार्य और योगदान को भी रेखांकित करता है।

अकादेमी सदस्यता के लिए चुने गए 4 रत्न

संगीत नाटक अकादमी की आम परिषद, राष्ट्रीय संगीत, नृत्य और ड्रामा अकादेमी, नई दिल्ली ने साल 2018 के लिए चार जानी-मानी हस्तियों, ज़ाकिर हुसैन, सोनल मानसिंह, जतिन गोस्वामी और तिरुविदैमरुदुर कुपैय्या कल्याणसुंदरम को सर्वसम्मति से अकादमी रत्न सदस्यता के लिए चुना है।

13 संगीतकारों को मिलेगा अकादेमी पुरस्कार

संगीत के क्षेत्र में 13 संगीतकारों को अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, जिसमें 2 पुरस्कार संयुक्त रूप से दिए जाएंगे।

नाम	संगीत
1.मणि प्रसाद	हिंदुस्तानी गायन
2.मधुप मुद्गल	हिंदुस्तानी गायन
3.तरुण भट्टाचार्य	हिंदुस्तानी वाद्य संगीत (संतूर)
4.तेजेन्द्र नारायन मजुमदार	हिंदुस्तानी वाद्य संगीत (सरोद)
5.अलमेलू मणी	कर्नाटक गायन
6.मल्लादि सूरिबाबु	कर्नाटक गायन
7.एस. कासिम और एस. बाबू	कर्नाटक वाद्य संगीत (नागस्वरम) (संयुक्त पुरस्कार)
8.गणेश राजगोपालन और कुमरेश राजगोपालन	कर्नाटक वाद्य संगीत (वायलिन) (संयुक्त पुरस्कार)
9.सुरेश ईश्वरा वाडकर	सुगम संगीत
10..शांति हीरानंद	सुगम संगीत
11.हेसनाम असेंबि देवी	मणिपुरी नट संकीर्तन

नृत्य के क्षेत्र में 10 नर्तकों को मिलेगा अकादेमी पुरस्कार

नृत्य के क्षेत्र में 10 नर्तकों को अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, जिसमें एक पुरस्कार संयुक्त रूप से दिया जाएगा।

नाम	नृत्य
1.राधा श्रीधर	भरतनाट्यम
2.इषिरा परिख और मौलिक शाह (संयुक्त पुरस्कार)	कथक
3.अखाम लक्ष्मी देवी	मणिपुरी
4.सुरुपा सेन	ओडिसी
5.टंकेस्वर हजारिका बरबायन	सत्रिय
6.गोपिका वर्मा	मोहिनीआट्टम

आदिवासियों की 17 एकड़ भूमि को दबंगों के कब्जा से मुक्त कराया

सिलवानी। सिलवानी तहसील क्षेत्र के ग्राम पौड़ी में आदिवासियों की 17 एकड़ भूमि पर यहां के दबंगों ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया था। डरा-धमका कर यह दबंग लोग आदिवासियों का वर्षों से शोषण कर रहे हैं। एसडीएम संघमित्रा बौद्ध व तहसीलदार लालजी वर्मा के नेतृत्व में पुलिस व प्रशासन के अमला ने गुरुवार को दबंगों के कब्जा से भूमि मुक्त कराते हुए भूमि के वास्तविक मालिक आदिवासियों के सुपुर्द कर दी है। कब्जा की गई भूमि पर 34 हजार ईंटें व गेहूं की फसल को भी जब्त किया गया है। प्रशासन ने कब्जाधारियों को चेतावनी दी है कि किसी भी भूमि पर कब्जा किया तो सख्त कार्रवाई की

जाएगी। एसडीएम बौद्ध ने बताया कि लंबे समय से यह शिकायत मिल रही थी कि दबंगों ने कुछ आदिवासियों की निजी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है।

मामले की जांच-पड़ताल के बाद शिकायत सही पाई गई। आदिवासी अंचल ग्राम पौड़ी में सावित्री बाई पत्नी हुकम गौड़ की 10 एकड़ कृषि भूमि, बाबूलाल आत्मज बड़ेवीर गौड़ की एक एकड़ भूमि तथा अन्नीलाल पिता हीरालाल गौड़ की छह एकड़ भूमि पर कतिपय दबंगों ने कब्जा कर लिया गया था। अनेक बार कहने के बाद भी कब्जाधारी भूमि पर से कब्जा नहीं हटा रहे थे। परेशान भूमि स्वामियों के द्वारा इस बात की शिकायत प्रशासनिक अधिकारियों से की गई थी। अन्नीलाल की भूमि पर कब्जाधारी के द्वारा अवैध रूप से ईंट भट्ठा संचालित किया जा रहा था। मौके पर से 30 हजार पक्की ईंटें व 4 हजार कच्ची ईंटें जब्त की गई हैं। ईंट भट्ठा संचालक पर लकड़ी की अवैध कटाई व अवैध परिवहन के प्रकरण में वन विभाग के द्वारा कार्रवाई की गई। मरघट की भूमि भी कराई अतिक्रमण से मुक्त कराई गई। कब्जाधारी के द्वारा खमारिया गांव में शासकीय मरघट की भूमि पर भी अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया था।

रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते 15 डंपर व एक पोकलेन जब्त

बाड़ी। रायसेन जिले की सभी 56 रेत खदान बंद होने के बाद भी लगातार अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन की शिकायतें खनिज विभाग को मिल रही थीं। कलेक्टर अरविंद कुमार दुबे और पुलिस अधीक्षक विकाश कुमार सहवाल के निर्देश पर खनिज अधिकारी आरके कैथल, खनिज निरीक्षक राजीव कदम अपनी टीम व पुलिस बल के साथ बुधवार रात दो बजे गोरामछवाई रेत खदान पहुंचे। यहां अवैध उत्खनन और परिवहन करते हुए 15 डंपर व एक पोकलेन मिली। गोरामछवाई रेत खदान पर कार्रवाई के दौरान जानकारी मिलते ही बरेली एसडीएम प्रमोद कुमार गुर्जर पहुंचे। एसडीएम व खनिज अधिकारी ने सभी 15 डंपरों और पोकलेन को जब्त करने की कार्रवाई करते हुए थाना भारकछ परिसर में पुलिस अभिरक्षा में खड़े किए हैं। प्रकरण कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। क्षेत्र में नर्मदा नदी से अवैध रेत खनन कारोबार बदस्तूर जारी है। अवैध उत्खनन एवं परिवहन रात के अंधेरे में किया जाता है। बाड़ी तहसील की गोरामछवाई, मोतालसिर एवं सनखेड़ा रेत खदानों से पोकलेन मशीन एवं जेसीबी के द्वारा अवैध उत्खनन किया जाता है। सैकड़ों की संख्या में डंपरों एवं ट्रैक्टर ट्रालियां यहां से रेत भरकर प्रतिदिन जिले भर में दौड़ते हैं।

अनूपपुर जिले के वॉलीबॉल खिलाड़ी विक्रांत एवं मृदुल 22 वी यूथ राज्य जोनल बॉलीबॉल चैम्पियशिप हेतु चयनित

अनूपपुर। मप्र बॉलीबॉल एसोसिएसन द्वारा 22 वी यूथ (युवक युवती) राज्य जोनल बॉलीबॉल चैम्पियशिप का आयोजन 2 अप्रेल से 4 अप्रेल तक डबरा में आयोजित किया जा रहा है इस हेतु अनूपपुर जिले से दो खिलाडी विक्रांत सिंह और मृदुल सिंह का चयन किया गया है ,जो की टीम मैनेजर एवं कोच संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन पर स्पर्धा में शामिल होकर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे, यूथ चैम्पियनशिप के दौरान राज्य रेफरी परीक्षा का भी आयोजन किया जा रहा है इस परिक्षा में अनूपपुर से दिनेश कुमार चंदेल ,अतुल यादव ,जीतेन्द्र पनिका शामिल हो रहे है , जिला बॉलीबॉल एसोसियशन के संरक्षक श्री लक्ष्मण राव ,अरुण कुमार सिंह ,आशीष त्रिपाठी ,पंकज अग्रवाल ,जिला अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा ,कार्यकारी अध्यक्ष सिद्धार्थ सिव सिंह ,रामखिलावन राठौर संघ के संरक्षक मंडल के दिनेश पटेल ,रामचंद्र यादव,उपाध्यक्ष अमित शुक्ल , विनोद पांडेय ,सोमनाथ प्रचेता ,विनोद सोनी ,रमेश तिवारी ,कोषाध्यक्ष प्रदीप यादव ,सह कोषाध्यक्ष उमेश राय,सह सचिव दिनेश कुमार चंदेल ,मिथलेश सिंह नेताम ,सतेंद्र दुबे ,हरिशंकर यादव ने खिलाडियों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाये प्रेषित की।

(सफलता की कहानी)

फ़ूड प्रोसेसिंग की दिशा में मजबूती से कदम आगे बढ़ा रही महिलाएं, समूह कर रहे खाद्य तेल, पंचरत्न आटा, मसाले आदि का निर्माण और पैकेजिंग

- साबुन और अगरबत्ती निर्माण कार्य भी संचालित, सीमार्ट एवं स्थानीय बाजारों में होगा विक्रय'
- जिला प्रशासन द्वारा महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में किया जा रहा हरसंभव कार्य'

कोरिया। कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखंड के ग्राम सलका स्थित गौठान में स्वसहायता समूह की महिलाएं खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अपने कदम मजबूती से बढ़ा रही हैं। शासन की मंशा के अनुसार स्वसहायता समूह की महिलाओं को अपने गांव में ही आजीविका संवर्धन का साधन मिला है। गौठान सलका में स्व सहायता समूह की महिलाएं खाद्य प्रसंस्करण के अंतर्गत सरसों, तिल

और मूंगफली के तेल प्रसंस्करण, पंचरत्न आटा, विभिन्न प्रकार के मसाले निर्माण के साथ ही साबुन और अगरबत्ती का निर्माण कार्य भी कर रही हैं। गौठान में महिला समूह द्वारा मशरूम उत्पादन भी किया जा रहा है। विकासखण्ड बैकुण्ठपुर के ग्राम सलका गौठान में कृष्णा महिला स्व सहायता समूह की 10 महिलाओं ने खाद्य तेल के प्रसंस्करण का कार्य शुरू किया है।समूह की अध्यक्ष राजकुमारी ने बताया कि महिलाओं को राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के सहयोग से खाद्य तेल निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से तेलघानी मशीन दिया गया है, उत्पादन के लिए सरसों बीज स्थानीय बाजारों से खरीदा जा रहा है। मशीन द्वारा सरसों बीज से तेल निर्माण का कार्य किया जा रहा है, तत्पश्चात तेल को छान कर पैकिंग कर बेचने के लिए तैयार किया गया है। राजकुमारी ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद मात्र 2 दिनों में ही समूह के द्वारा 11 लीटर तेल बनाया गया है। साथ ही तिल और मूंगफली तेल प्रसंस्करण का काम भी लगातार जारी है। निर्मित तेल को सीमार्ट व स्थानीय बाजारों में विक्रय के लिए रखा जाएगा, वहीं महिलाओं द्वारा तेल की ब्रांडिंग एवं अन्य मार्केटिंग की योजना भी बनायी जा रही है। इसी तरह गौठान में सखी महिला समूह के द्वारा मिनी राइस मिल का संचालन किया जा रहा है। जिससे चावल, गेंहू और पंचरत्न आटा, मिर्च पाउडर, गरम मसाले आदि तैयार किये जा रहे हैं। गणेश महिला समूह द्वारा साबुन निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिससे समूह की महिलाएं अब तक 25 हज़ार से ज्यादा की कमाई कर चुकी हैं। कृष्णा समूह की ही महिलाएं अगरबत्ती निर्माण का काम भी गौठान में कर रही हैं। इंद्रा महिला स्वसहायता समूह की महिलाएं मशरूम उत्पादन की आजीविका से जुड़कर सफलता की ओर आगे बढ़ रही हैं।

मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का 3 वर्ष दो दिवसीय महा अधिवेशन अमरकंटक के कल्याण सेवा आश्रम में संपन्न पत्रकारिता ने हमेशा समाज को सही दिशा दी है और स्वतंत्र पत्रकारिता ही लोकतंत्र का आधार स्तंभ है -फुन्देलाल सिंह मार्को

समापन समारोह संगठन में सक्रियता से कार्य करें -श्री भदौरिया

सम्मेलन के दूसरे दिन दो दिवसीय महाधिवेशन का समापन करते हुए प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया ने पुनः निर्वाचित होने पर सभी साथियों का स्नेह व सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हमारा संगठन एक मात्र संगठन है जो पत्रकार साथियों की समस्याओं के साथ ही उनके सामाजिक दायित्वों की चिंता भी करता है। यहीं कारण है कि पारिवारिक भाव से यह संगठन निरंतर मजबूत हो रहा है। साथियों को ओर सक्रियता से कार्य करने की जरूरत है। जन सामान्य पत्रकारों को आशाभरी निगाह से देखता है। वह जानता है आज के दौर में पत्रकार ही हमारी समस्याओं को हल करवा सकता है। हम इस कसौटी पर खरे उतरे यही समय की आवश्यकता है। उन्होंने गुड़ीपड़वा नववर्ष की सभी को शुभकामनाएं देते हुए सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की। वही समापन समारोह में शामिल हुए अनूपपुर जिले के पुष्प राजगढ़ के लोकप्रिय विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को ने ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकारिता ने हमेशा समाज को सही दिशा दी है और स्वस्थ पत्रकारिता निष्पक्ष पत्रकारिता लोकतंत्र का आधार स्तंभ है उन्होंने मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के द्वारा पत्रकारों के हितों में लड़ने वाली लड़कियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका यह महाधिवेशन में किए गए हर फैसले के साथ हैं वह उन्होंने पत्रकार सुरक्षा कानून और पत्रकार कल्याण बोर्ड के गठन की मांग का भी समर्थन किया उदय लाल सिंह मार्को ने वहां उपस्थित पत्रकारों को अपने कर कमलों से प्रतीक चिन्ह देकर के उन्हें सम्मानित भी किया

सभी अतिथियों का हुआ सम्मान-

इस 3 वर्षीय महाधिवेशन मैं पहले दिन पधारे सभी अतिथियों का साल श्रीफल और प्रतीक चिन्ह के द्वारा आयोजित समिति ने सम्मान किया उसमें पुलिस अधीक्षक अखिल पटेल कलेक्टर सोनिया मिना इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक के कुलपति श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया एवं मुख्यअतिथी विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम सहित सैकड़ों साथियो का किया गया सम्मान मध्य प्रदेश के 3 वर्षीय दो दिवसीय महाधिवेशन अमरकंटक महाधिवेशन में 2 दिनों के दौरान मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष विधानसभा गिरीश गौतम गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक के कुलपति श्री प्रकाश मणि त्रिपाठी अनूपपुर कलेक्टर सोनिया मीणा एसपी अखिल पटेल पुष्पराजगढ़ विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को अनूपपुर के पूर्व विधायक रामलाल रौतेल मध्य प्रदेश श्रमजीवी

पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष माननीय शलभ भदौरिया जी का आयोजन समिति के द्वारा स्मृति चिन्ह और शाल श्रीफल से सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम में सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों सर्व साथी मनोज द्विवेदी अजीत मिश्रा मोहम्मद अली,दिनेश अग्रवाल जिला अध्यक्ष अनूपपुर मुकेश मिश्रा सहित दोनो निर्वाचन अधिकारियों सर्व डॉ नरेन्द्रसिंह राजावत एवं चैतन्य मिश्रा अध्यक्ष मंडल के

प्रदेश संयोजक साथी राजकुमार दुबे, वरिष्ठ मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष शरद जोशी,मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद अली एवं सभी प्रदेश कार्यकारी अध्यक्षों सर्व साथी दिलीपसिंह भदौरिया,कॉमरेड राजेन्द्र पुरोहित,इंजीनियर नवनीत काबरा, अनिल त्रिपाठी उपेंद्र गौतम एवं रि?वान अहमद सिद्दीकी सभी उपाध्यक्षो साथी सत्यनारायण वैष्णव,ऋषिकुमार शर्मा,दिनेश अग्रवाल, राजेश द्विवेदी एवं प्रहलादसिंह भदौरिया एवं प्रदेश महासचिव साथी सुनील त्रिपाठी कोषाध्यक्ष साथी शिशुपालसिंह तोमर का शाल श्रीफल एवं मा नर्मदा की तसवीर प्रतीक चिन्ह स्वरूप भेंट कर सम्मान किया गया ।साथ ही सभी प्रदेश सचिवों ,संयुक्त सचिवों और प्रदेश के कार्यकरिणी सदस्यों का भी सम्मान किया। प्रकोष्ठों के प्रदेश पदाधिकारी आईटी सेल के संयोजक साथी ओपी शर्मा ,अनुशासन समिति के उपाध्यक्ष साथी मेहताबसिंह तोमर सदस्ता छानबीन समिति के प्रदेश संयोजक साथी सरल भदोरिया का भी सम्मान किया गया वैसे तो सभी उपस्थित सदस्यों का ही सम्मान किया गया सभी जिला अध्यक्षो,महासचिवों,सभी सम्भागीय अध्यक्षों महासचिवों सहित बघेल खंड की प्रसिद्ध बाल कलाकार गायिका अनन्या पांडे का भी सम्मान किया गया जिसे विधान सभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने अपनी शिक्षा निधि से 25 हजार रुपए पुरुस्कार स्वरूप देने की घोषणा की ।अध्यक्ष मंडल के सम्मननीय सदस्य राकेश प्रतापसिंह का भी सम्मान हुआ ।

असयोजन की शुरुआत में मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम कुलपति श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी,जिला कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं जिला पुलिश अधीक्षक अखित पटेल सभी मंचासीन अतिथियों ने मा सरस्वती को पुष्पहार पहना कर दीप जला कर महाअधिवेधन का उद्घाटन किया फिर मान्या पांडे ने सरस्वती वंदना गाई एवम स्वागत गीत गाकर सभी उपस्तिथों का मन मोह लिया । आयोजन समिति के संयोजक साथी मनोज द्विवेदी ने स्वागत भाषण पढा ।इसके बाद संगठन की पिछले कोई 30 साल की यात्रा को गाथा का वाचन किया जिसे पूरे सभागार मे भी वितरित किया । संचालन साथी रिजवान अहमद सिदिकी ने एवं आभार आयोजन समिति के सचिब एवम शहडोल सम्भाग के अध्यक्ष साथी अजीत मिश्रा ने व्यक्त किया।

कोरिया पुलिस अधीक्षक की अनूठी पहल।

पुलिस कर्मियों को जन्मदिन पर मिलेगी मिठाईयां और अवकाश

कोरिया। जिले के नव पदस्थ पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों की परेशानियों को देखते हुए कोरिया जिले में एक नई और अनूठी परंपरा का आगाज किया है। उन्होंने महसूस किया कि कर्मचारियों का जन्मदिन होते हुए भी वह अपने कार्यस्थल पर काम करते रहते हैं और परिवार के साथ समय नहीं बिता पाते। उनकी परेशानियों को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने एक नई परंपरा की शुरुआत करते हुए जन्मदिन वाले दिन कर्मचारियों को मिठाइयां, ग्रीटिंग कार्ड और अवकाश देने की घोषणा की है जो पुलिस कर्मियों के लिये किसी सौगात से कम नही है। कोरिया पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर द्वारा कोरिया जिले में एक नई परम्परा का आगाज किया गया। एसपी ने निर्देश दिया कि जिन भी पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों का जन्मदिन होगा उन्हें ग्रीटिंग कार्ड, मिठाइयां एवं जन्मदिवस के दिन का अवकाश प्रदान किया जाएगा। इसी तारतम्य में दिनांक 4 अप्रैल 2022 और 05 अप्रैल 2022 को जिला कोरिया पुलिस बल के कुल 10 अधिकारी/ कर्मचारियों का जन्मदिवस होने पर समीक्षा बैठक में इस कार्य का आगाज किया गया। 4 अप्रैल 2022 को उप निरीक्षक संदीप सिंह चौकी कुवारपुर, प्रधान आरक्षक राम कृपाल सिंह थाना पोड़ी, प्रधान आरक्षक किशन राम भगत रक्षित केंद्र बैकुंठपुर, आरक्षक राम लखन सिंह चौकी रामगढ़, आरक्षक संजय सिंह थाना झगराखाण्ड, पुष्पेंद्र त्रिपाठी यातायात शाखा, खिलन सिंह पैकरा थाना सोनहत एवं 5 अप्रैल 2022 को आरक्षक रामकिशुन थाना बैकुंठपुर,आरक्षक भोलानाथ थाना खड़गवा, आरक्षक धर्मेश कुमार थाना कोटाडोल का जन्मदिन होने पर उन्हें रक्षित केंद्र के कांफ्रेंस हॉल में पुलिस अधीक्षक कोरिया द्वारा बधाई अर्पित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह के साथ जिले के समस्त थाना, चौकी प्रभारी, अनुविभागीय अधिकारी, रक्षित निरीक्षक उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिस राजपत्रित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अनुभाग स्तर पर प्रत्येक दिवस इस परंपरा को जारी रखा जाये।

संपादकीय

पाकिस्तान में समूचे विपक्ष का एकजुट होना इमरान खान के लिए सबसे बड़ा खतरा

पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय ने भरोसा दिलाया था कि वह संसद के भंग होने के सवाल पर तुरंत फैसला करेगा लेकिन दो दिन के बावजूद उसने इसे मंगलवार तक के लिए टाल दिया है। उसने इसे क्यों टाला होगा? उसने पीपीपी के रवैए की इस मांग को पहले रद्द किया कि इस मामले को अदालत की पूरी बेंच निपटाए। जजों ने पूछा कि पांच जजों की इस बेंच पर आपको भरोसा क्यों नहीं है? जज इतने गुस्से में आ गए कि उन्होंने कहा कि अगर आपको हमारी निष्पक्षता में विश्वास नहीं है तो हम सब इस्तीफा देने को तैयार हैं। अदालत का फैसला क्या होगा, कहना मुश्किल है। हो सकता है कि वह संसद के भंग करने को जायज ठहरा दे और चुनाव के द्वारा नई सरकार बनवाने का समर्थन कर दे। पाकिस्तान के लिए यही भला है। इमरान सरकार और फौज के संबंध काफी कठिन हो गए हैं। ऐसे में उस सरकार का इस्लामाबाद में चलते रहना बड़ा मुश्किल है। इमरान सरकार की दूसरी बड़ी दिक्कत यह है कि उसके अपने सांसद उससे टूट गए हैं। उन्होंने विपक्षियों से हाथ मिला लिया है। अब वह अल्पमत की सरकार भर रह गई है। उसकी तीसरी मुसीबत यह है कि उसकी सरकार का गठबंधन तो टूटा ही, सारे विपक्षी दल एकजुट हो गए। सबसे बड़ी बात तो यह कि इमरान ने आशाएँ खूब जगाईं और सपने खूब दिखाए लेकिन महामारी से निपटने में और अंतरराष्ट्रीय राजनीति में उनके पासे उल्टे पड़ गए। उनकी रूस-यात्रा ने भी पाकिस्तान की फौज को परेशान कर दिया। इन सब कारणों के रहते उनकी सरकार का ढह जाना स्वाभाविक था लेकिन उनकी जगह अगर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के कारण यदि अभी विरोधी गठबंधन की सरकार बन गई तो यह सवाल बहुत तीखे रूप में उठ खड़ा होगा कि यह गठबंधन या यह सरकार कहां तक लोकमत के समर्थन की दावेदार है? यह लोक-समर्थन नहीं बल्कि दल-बदल और पार्टियों के दल-दल से मिलकर बनेगी। इसमें कितना नैतिक बल होगा? परस्पर विरोधी दल कब तक एक साथ टिके रहेंगे? और यह सरकार टिक भी गई तो डेढ़ साल बाद तो इसे चुनाव करवाने ही होंगे। ऐसे में लगता है कि पाकिस्तान अधर में लटका रहेगा। उसकी डगमगाती अर्थ-व्यवस्था इस बीच चौपट भी हो सकती है। इस नए गठबंधन के सर्वोच्च नेताओं से फौज के अत्यंत कटु संबंध रहे हैं। फौज ने पीपीपी और मुस्लिम लीग (नवाज) के नेताओं के तख्ता-पलट कई बार किए हैं। अब जन-समर्थन के बिना सत्तारुढ़ हुए इन दोनों दलों को क्या फौज बर्दाश्त कर लेगी?

पीएम मोदी के भरोसे आखिर कब तक आगे बढ़ेगी भाजपा? हर चुनाव क्या मोदी ही जितवाएंगे?

उत्तर प्रदेश को लेकर तो सभी राजनीतिक समीक्षकों का मानना था कि इस चुनाव में भाजपा पूर्ण बहुमत से दूर रहेगी। अधिकांश विश्लेषकों व पत्रकारों का भी मानना था कि वहां पर अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी गठबंधन की सरकार बनेगी। ऐसा होता दिख भी रहा था क्योंकि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ ब्राह्मण समाज में खासी नाराजगी व्याप्त हो रही थी। किसान आंदोलन के चलते पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाट मतदाता भी भाजपा से बहुत नाराज हो रहे थे। किसान आंदोलन का मुख्य केंद्र पश्चिमी उत्तर प्रदेश होने के कारण नरेश टिकैत जैसे किसान नेता जाटों को लगातार भाजपा के खिलाफ भड़का रहे थे। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक भी संवैधानिक पद पर होने के उपरान्त भी लगातार भाजपा पर हमलावर हो रहे थे। जिससे भाजपा बचाव की मुद्रा में थी। विरोधी दलों के नेताओं द्वारा योगी पर जातिवाद की राजनीति करने का आरोप लगाने के कारण मुख्यमंत्री की छवि भी खराब हो रही थी।

हाल ही में संपन्न हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भारतीय जनता पार्टी सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रभाव से ही आगे बढ़ रही है। चुनावी नतीजों से पता चलता है कि भाजपा में आज भी किसी भी क्षेत्रीय नेता का कद इतना बड़ा नहीं है कि वह अपने बूते पार्टी को जिता कर भाजपा की सरकार बनवा सके। उत्तर प्रदेश में कई दशकों बाद लगातार दूसरी बार भाजपा की सरकार बनने पर बहुत से लोग इसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का चमत्कार बता रहे हैं। लोगों का मानना है कि योगी आदित्यनाथ के प्रभाव के चलते ही उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में 37 वर्षों बाद किसी पार्टी की लगातार दूसरी बार सरकार बन पाई है। मगर ऐसा सोचने वाले लोग सही तरीके से राजनीति का विश्लेषण नहीं कर पा रहे हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा, मणिपुर जैसे पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पूर्व पंजाब को छोड़कर चारों प्रांतों में भाजपा की सरकार थी। लगातार पांच साल सत्ता में रहने के कारण भाजपा को सत्ता विरोधी लहर से नुकसान होने के कयास लगाए जा रहे थे। ऐसे में सभी प्रदेशों में फिर से एक बार सरकार बनाना भाजपा के समक्ष एक बड़ी चुनौती थी।

उत्तर प्रदेश को लेकर तो सभी राजनीतिक समीक्षकों का मानना था कि इस चुनाव में भाजपा पूर्ण बहुमत से दूर रहेगी। अधिकांश विश्लेषकों व पत्रकारों का भी मानना था कि वहां पर अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी गठबंधन की सरकार बनेगी। ऐसा होता दिख भी रहा था क्योंकि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ ब्राह्मण समाज में खासी नाराजगी व्याप्त हो रही थी। किसान आंदोलन के चलते पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाट मतदाता भी भाजपा से बहुत नाराज हो रहे थे। किसान आंदोलन का मुख्य केंद्र पश्चिमी उत्तर प्रदेश होने के कारण नरेश टिकैत जैसे किसान नेता जाटों को लगातार भाजपा के खिलाफ भड़का रहे थे। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक भी संवैधानिक पद पर होने के उपरान्त भी लगातार भाजपा पर हमलावर हो रहे थे। जिससे भाजपा बचाव की मुद्रा में थी। विरोधी दलों के नेताओं द्वारा योगी पर जातिवाद की राजनीति करने का आरोप लगाने के कारण मुख्यमंत्री की छवि भी खराब हो रही थी। यदि उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े राज्य में भाजपा की हार हो जाती तो उसका असर आगे कई प्रदेशों के विधानसभा चुनाव व 2024 के लोकसभा चुनाव में भी निश्चित ही पड़ता। परिस्थितियों को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता विरोधी लहर को समाप्त करने के लिए खुद मैदान में उतरे और पूरे चुनाव की कमान अपने हाथ में ले ली। मोदी के साथ गृह मंत्री अमित शाह पूरी तरह से सक्रिय हो गए।

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां सभी चुनावी राज्यों में ताबड़तोड़ चुनावी रैलियां कीं वहीं अमित शाह ग्राउंड लेवल पर पार्टी को एकजुट करने में लग गए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां सभी चुनावी राज्यों में ताबड़तोड़ चुनावी रैलियां कीं वहीं अमित शाह ग्राउंड लेवल पर पार्टी को एकजुट करने में लग गए। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई गांव में तो मतदाताओं की नाराजगी दूर करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने घर-घर जाकर वोट मांगकर पार्टी प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी व गृह मंत्री अमित शाह की मेहनत रंग लाने लगी व पार्टी से नाराज मतदाता धीरे-धीरे फिर से भाजपा खेमे में नजर आने लगे थे। चुनावी नतीजे आने पर भाजपा एक बार फिर अपने चारों प्रदेशों में सरकार बनाने में सफल रही। हालांकि उत्तराखंड में भाजपा के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चुनाव हार गए थे। मगर भाजपा वहां फिर से बहुमत में आ गई। पूर्वोत्तर के मणिपुर जैसे प्रदेश में भी पहली बार भाजपा ने 32 सीटें जीतकर अपने दम पर सरकार बना ली। गोवा में भी पार्टी ने पहली बार सबसे अधिक 20 सीटें जीतीं और आराम से अपनी सरकार बना ली। भाजपा ने चारों ही प्रदेशों में अपने मुख्यमंत्रियों को बरकरार रखा। उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी के खटीमा से चुनाव हार जाने के बाद भी उन्हीं को मुख्यमंत्री बनाया गया। क्योंकि पार्टी का मानना था कि कम समय में ही मुख्यमंत्री धामी ने पार्टी की गुटबाजी को दूर कर पूरी एकजुटता से चुनाव लड़ा था। जिसके फलस्वरूप लगातार दूसरी बार भाजपा उत्तराखंड में सरकार बनाने में सफल रही। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पुष्कर सिंह धामी जैसे युवा चेहरों को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

उत्तर प्रदेश में भी उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को चुनाव हार जाने के बावजूद दूसरी बार उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। हालांकि मौर्य अभी विधान परिषद के सदस्य हैं। मणिपुर में भाजपा को पहली बार पूरा बहुमत दिलाने पर मुख्यमंत्री एन वीरेंद्र सिंह को इनाम स्वरूप दूसरी बार मुख्यमंत्री बनाया गया। वहीं गोवा में भी युवा मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत को ही दूसरी बार कमान सौंपी गई। हालांकि अपनी विधानसभा सीट पर प्रमोद सावंत महज 666 वोटों से ही जीत पाए थे। मगर उन्होंने चुनाव के दौरान पूरी मेहनत की थी। जिसका फल उन्हें दूसरी बार मुख्यमंत्री बना कर दिया गया। भारतीय जनता पार्टी लगातार चुनाव दर चुनाव जीतती जा रही है। पिछले 8 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्र में भाजपा की सरकार चला रहे हैं। सदस्यता के मामले में भी भाजपा देश की सबसे अधिक सदस्यों वाली पार्टी बन चुकी है। इतना सब कुछ होने के बाद भी भाजपा में आज भी प्रादेशिक क्षत्रपों की कमी है। आज भी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इर्दगिर्द परिक्रमा करती नजर आ रही है। कोई भी चुनाव हो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह को उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है जितनी 2014 के लोकसभा चुनाव में की थी। मोदी व शाह के अलावा भाजपा में ऐसे प्रभावशाली नेताओं की कमी है जो जनता में लोकप्रिय हों। कहने को तो भाजपा में बहुत से केंद्रीय मंत्री, प्रदेशों के मुख्यमंत्री व संगठन से जुड़े बड़े नेता हैं। मगर शायद ही कोई ऐसा नेता हो जो इस बात का दावा कर सके कि वह अपने बूते चुनाव जिता सकता है। भारतीय जनता पार्टी में काम करने वाले प्रादेशिक नेताओं को धरातल पर काम करना चाहिए ताकि जनता में उनकी पैठ बने और वो मतदाताओं को आकर्षित कर सकें। भाजपा में आज भी बहुत से हवाई नेता बड़े पदों पर काम कर रहे हैं।

पीएम के अथक प्रयासों के बावजूद देश पूरी तरह भ्रष्टाचार मुक्त नहीं हो पाया है

राष्ट्र में शोषण,अन्याय, भ्रष्टाचार, अनाचार और राजनीतिक अराजकता के विरुद्ध समय-समय पर क्रांतियां होती रही हैं। लेकिन उनका साधन और उद्देश्य शुद्ध न रहने से उनका दीर्घकालिक परिणाम संदिग्ध रहा है। यही कारण है कि लोकतंत्र को जीवंतता देने की बात हो या भ्रष्टाचार मुक्ति का आह्वान, असरकारक नहीं हो पा रहे हैं।

सत्ता और संपदा के शीर्ष पर बैठकर यदि जनतंत्र के आदर्शों को भुला दिया जाता है तो वहां लोकतंत्र के आदर्शों की रक्षा नहीं हो सकती। पश्चिम बंगाल विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्षी नेताओं के बीच हाथापाई इसी का नतीजा थी। पिछले दिनों वहां के रामपुरहाट में हुई हिंसा में आठ लोग जल कर मर गए। उसी के विरोध में विपक्षी दलों ने सदन में जवाब मांगा, तो सत्तापक्ष के नेता हिंसक हो उठे। उस घटना से सबक नहीं लिया गया और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के हंगामा करने पर उसके नेताओं को सुरक्षाकर्मियों के जरिए धकिया कर बाहर कर दिया गया। यही हाल दिल्ली नगर निगम की बैठक में भी रहा। वहां सत्तापक्ष और विपक्ष के पार्षद इस कदर गुत्थम-गुत्था हुए कि एक दूसरे के कपड़े तक फाड़ डाले। जनतंत्र की खूबसूरती यही है कि उसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों मिल कर नीतिगत फैसले करते हैं। अगर विपक्ष न हो तो सत्तापक्ष को निरंकुश होते देर नहीं लगती। मगर इस तकाजे को शायद आज के राजनेता भुला चुके हैं, इसी से लोकतंत्र दिनोंदिन कमजोर एवं निस्तेज होता जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भ्रष्टाचार मुक्त शासन की भी धज्जियां बार-बार उड़ती रहती हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश में बारहवीं कक्षा की परीक्षा में कई जगहों पर प्रश्न-पत्र गलत तरीके से बाहर आने की घटना से फिर यही साबित हुआ है कि भ्रष्टाचार शासन-प्रशासन की जड़ों में आज भी गहरा पैठा है।

बार-बार ऐसी गड़बड़ियों एवं भ्रष्टाचार के बावजूद सरकार इसे लेकर शायद ज्यादा फिक्रमंद नहीं है। बुधवार को अंग्रेजी विषय की परीक्षा होनी थी, मगर उससे दो घंटे पहले ही यह खबर सामने आई कि प्रश्न-पत्र बाहर कुछ लोगों के हाथ लग गया है और वे उसका उत्तर तैयार करा रहे हैं।

बापू, बंदर, संदेश और समाज

यह बात अलग है कि बापू के जन्म या निर्वाण दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि देने वालों में उनके भक्त या देश भक्त दो गुटों में बंट जाएं। झगड़ा, मार कुटाई हो इस मुद्दे पर कि असली चेले कौन हैं और एफआईआर भी दर्ज हो। पुलिस कर्मी फख्र महसूस करें कि बापू के सन्दर्भ में हुए झगड़े की एफआईआर उन्होंने लिखी लेकिन ईमानदारी से देखा जाए तो बापू के संदेश समाज में संजीदगी से लागू हैं। ख़ास देशवासियों की तो छोड़ो आजकल सभी ने बुरा देखना बंद कर दिया है। मानसिक और शारीरिक अंधेरों के कारण भी बुराई दिखनी बंद हो चुकी है। इसकी प्रेरणा सामाजिक, धार्मिक व राजनीतिक नायकों से मिली है। अब सिर्फ अच्छाई देखना, तारीफ़ करना ज़रूरी हो गया है। बापू को गहन श्रद्धांजलि के रूप में उनके पहले बंदर का सन्देश सफलता से लागू है। दूसरे बंदर का सन्देश, बुरा मत सुनो। बुरा सुनेंगे तो ऐसे, वैसे न जाने कैसे कैसे ख्याल दिल और दिमाग में आएंगे, परेशानी बढ़ेगी इसलिए कोई बुरा सुनने को तैयार नहीं है। अनजान को क्या, जान पहचान वाले को भी रोककर कुछ बुरा होता बताओ तो व्यंग्यात्मक मुस्कराहट के साथ बोलेगा मैंने क्या लेना और आपने भी क्या लेना। दिल, दिमाग, जिस्म और ज़िंदगी हिला देने वाला संगीत उपलब्ध है सुनो और मस्त रहो। जिम्नास्टिक नाच करो। आत्मा शांत और इंसान बीमारियों से दूर रहेगा। लोग सेहत बारे ज़्यादा चिंतित देखते हैं। रंगीन, बढ़िया, फायदा देने वाली बातें सुनना ज़्यादा ज़रूरी है। इस सन्दर्भ में आर्थिक व व्यवसायिक नायकों से प्रेरणा ले सकते हैं। सम्मान की बात है कि बापू का दूसरा बंदर भी अपने उद्देश्य में खरा उतर रहा है। तीसरा बंदर भी अपना सन्देश देने में पूरी तरह कामयाब रहा और समाज ने उसे अपनाया भी। बुरा कहना सचमुच बुरा है।

हमें गर्व है कि हम भाजपा कार्यकर्ता हैं जो बलिदानों के आधार पर खड़ी हुई हैः स्वास्थ्य मंत्री

रायसेन। स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी ने कहा कि हमें गर्व है कि हम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हैं जो बलिदानों के आधार पर खड़ी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बना है। भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के समय जो संकल्प लिए थे उसे न सिर्फ पूरे किए बल्कि जनआकांक्षाओं के अनुरूप हम लगातार विश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमारे नेता डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने धारा-370 हटाने का संकल्प लेते हुए कश्मीर के लिए अपना बलिदान दिया था। उनके उस संकल्प को पूरा करने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने कश्मीर से धारा-370 हटाकर किया है। डॉ. चौधरी ने बुधवार को पार्टी के जिला कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस मौके पर सिलवानी विधायक व पूर्व मंत्री रामपाल सिंह ने कहा कि आज का दिन हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि आज ही के दिन 6 अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई थी।

इससे पहले जनसंघ के रूप में हम काम करते थे। डॉ. मुखर्जी एवं पं. उपाध्याय ने जो संकल्प लिया था उसे अटल जी और आडवाणी जी ने आगे बढ़ाया। हमारे पूर्वज नेताओं ने जो संकल्प लिया था उसे सिद्धी की ओर ले जाने का काम प्रधानमंत्री मोदी कर रहे हैं। आज भारतीय जनता पार्टी पं. दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय और एकात्म मानववाद के विचार को गांवए गरीब और हर वर्ग तक ले जाने का काम कर रही है। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. जयप्रकाश किरार ने कहा कि हमारी यात्रा जनसंघ से शुरू हुई है। भारतीय जनता पार्टी बलिदानों और त्याग से बना वैचारिक दल है। आज विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में हम पहचाने जाते हैं। देश में अनेक दल हैं उनसे अलग भाजपा की पहचान है। आज भाजपा राष्ट्रवाद, भारतीय संस्कृति और विकासोन्मुखी राजनीति का पर्याय कही जाती है। आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का लगातार विस्तार हो रहा है। हमें ध्यान रखना है कि हम सिर्फ राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं हैंए बल्कि हम देश बनाने निकले हैं। हमें भाजपा जैसी पार्टी का कार्यकर्ता होने पर गर्व है। युवा नेता मुदित शेजवार ने कहा कि 70 वर्षों तक कांग्रेस ने सिर्फ गरीबी हटाओ का नारा दिया। जबकि भारतीय जनता पार्टी ने गरीबों के जीवन बदलने का अभियान शुरू किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री चौहान के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता भारतमाता को परम वैभव तक पहुंचाने के लिए हमारी जो गौरवशाली यात्रा आगे बढ़ रही है, उसमें सहभागी बनेगा। समारोह के पूर्व प्रातः भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. किरार ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कार्यालय में भारत माता, पं. उपाध्याय एवं डॉ. मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर ध्वजारोहण किया। इसके तत्पश्चात पार्टी कार्यालय से शोभायात्रा निकाली।

कार्यकर्ता बड़ी संख्या में कार्यालय के प्रमुख मार्गों से पार्टी का ध्वज लेकर निकले। कार्यकर्ता भारत माता की जय और भाजपा जिंदाबाद के उद्घोष के नारे लगाते निकले। शोभायात्रा मुख्य मार्गों से होती हुई वापस भाजपा कार्यालय पहुंची। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा का अभिभाषण सुना। इस अवसर पर भाजपा महामंत्री रामकुमार साहू, बलराम मालवीय, महिला मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मंजू कुशवाहा, कार्यमंत्री बृजेश चतुर्वेदी नगर मंडल अध्यक्ष आदित्य शर्मा सहित जिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दस घंटे धधकती रही जंगल में आग, बड़ी संख्या में पेड़ झुलसे

गैरतगंज। तहसील के देवनगर सर्किल अंतर्गत बाबई भूलन इलाके के जंगल में मंगलवार को आग लग गई। जिसके कारण बड़ी संख्या में पेड़-पौधे झुलस गए। ग्रामीणों की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे वन अमले ने आग पर काबू किया। इस दौरान 10 घंटे से भी अधिक समय तक आग धधकती रही। आग लगने का कारण अज्ञात बना हुआ है। वन परिक्षेत्र गढ़ी के अंतर्गत देवनगर सर्किल इलाके में बाबई भूलन के पास लगे हुए जंगल में मंगलवार को अचानक आग लग गई। आग की लपटें उठती देख ग्रामीण एकत्रित हो गए। तथा उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय वन अमले को दी। ग्रामीणों के बताए अनुसार वन अमले के मौके पर पहुंचने के पहले लगभग 10 घंटे तक जंगल में आग जलती रही तथा उसने बड़ा क्षेत्र अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान जंगल में लगे विभिन्ना प्रजाति के पेड़ बड़ी तादाद में झुलसते रहे। वन अमला बमुश्किल आग पर काबू पा पाया। रेंजर रजनीश शुक्ला का इस विषय में कहना है कि वन अमले द्वारा आग पर समय रहते काबू कर लिया गया है तथा आंशिक नुकसान इस घटना में हुआ है।

गेहूं के खेत में लगी आग को काफी मशक्कत के बाद बुझाया

बेगमगंज। सागर रोड स्थित ग्राम सुमेर एवं बेरखेड़ी के बीच में जाने वाले रोड पर गेहूं की फसल काटने के बाद किसानों द्वारा नरवाई में आग लगा दी गई थी जोकि बढ़ते बढ़ते कुछ दूर गेहूं की फसल खड़ी खेत के पास पहुंच गई। जिसे बमुश्किल फायर बिग्रेड की टीम द्वारा बुझाया गया । अन्यथा आगे 12 एकड़ की खेत में खड़ी गेहूं की फसल को अपनी चपेट में ले सकती थी। सूत्रों के मुताबिक बेरखेड़ी रोड स्थित खेतों में गेहूं की फसल काटने के बाद वहां के किसानों द्वारा नरवाई में आग लगा दी गई थीए जबकि आगे एक किसान के खेत में गेहूं की फसल कटने के लिए तैयार खड़ी थी जो धीरे-धीरे आग बढ़ती हुई उस खेत की तरह पहुंचने लगी। जिसे देखकर आसपास के किसानों में अफरा-तफरी मच गई। उन्होंने तत्काल फायर बिग्रेड को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंचे नगर पालिका परिषद की फायर बिग्रेड के फायरमैन शमसुद्दीन खान ने अपनी टीम के साथ आनन.फानन में आग पर काबू पाया। अन्यथा धीरे-धीरे आग पास में 12 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल को अपनी चपेट में लेकर बर्बाद कर सकती थी। प्रशासन द्वारा सख्त चेतावनी दिए जाने के बावजूद भी किसान नरवाई जलाने में लगे हुए हैं। जिससे कि अग्निकांड होने की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने बनछोड़ में सोखता गड्ढा निर्माण कार्य में किया श्रमदान

रायसेन। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने सांची जनपद बिरहोली ग्राम पंचायत के ग्राम बनछोड़ में जलाभिषेक अभियान के अंतर्गत बनाए जा रहे सोखता गड्ढा कार्य का अवलोकन करते हुए श्रमदान किया गया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण बेहद जरूरी है। वर्षा के जल को संग्रहित करना मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। इसके लिए जलाभिषेक अभियान के माध्यम से लोगों को वर्षा के जल को संग्रहित करने हेतु जागरूक किया जा रहा है। जल संरक्षण के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरचनाएं भी बनाई जा रही है। लोगों में जल बचाने की भावना को विकसित करने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री चौहान की मंशानुरूप अभियान में समाज की सहभागिता और विभिन्ना शासकीय योजनाओं के माध्यम से वर्षा जल-संरक्षण और भू-जल संवर्धन के नवीन कार्य, भू-जल रिचार्ज, नदी पुनर्जीवन कार्य, वन क्षेत्रों में जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य, पौधरोपण, निजी खेतों में जल-संग्रहण और ड्रिप एवं स्प्रिंक्लर से सिंचाई को प्रोत्साहन जैसी गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

महूजागीर में आंगनवाड़ी भवन का किया लोकार्पण-

स्वास्थ्य मंत्री ने ग्राम महूजागीर में सात लाख 80 हजार रुपये की लागत से निर्मित आंगनवाड़ी भवन का लोकार्पण किया गया। उन्होंने कहा कि हर गांव में आंगनवाड़ी केन्द्र खोले गए हैं। जहां बच्चों की देखभाल की जाती है, टीकाकरण किया जाता है, प्रारंभिक शिक्षा दी जाती है। साथ ही माताओं और बच्चों को समुचित पोषण आहार मिले यह भी सुनिश्चित जाता है। महूजागीर में जल जीवन मिशन के तहत 58 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। लोगों को त्वरित और समुचित उपचार मिल सके इसके लिए शहरों के साथ.साथ ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार स्वास्थ्य सेवाओं तथा सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। गांवों में स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पैमत में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत किया गया है। जिसका लाभ आसपास के गांवों के लोगों को भी मिलेगा।

विक्रम वेधा लुक में दिखाई दिए ऋतिक रोशन

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन इस समय अपनी आगामी फिल्म विक्रम वेधा को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म तमिल की हिट विक्रम वेध का हिंदी रीमेक है। इस फिल्म का निर्देशन पुष्कर और गायत्री की जोड़ी कर रही है, जिन्होंने ऑरिजिनल फिल्म का भी निर्देशन और लेखन किया था। फिल्म में राधिका आप्टे के साथ विक्रम के रूप में सैफ अली खान भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं, तो वहीं अभिनेता ऋतिक रोशन वेधा के किरदार में दिखाई देने वाले हैं। अब उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों की एक पूरी सीरीज शेयर की है। जिसमें वह वेधा की लुक में बेहद डैशिंग लग रहे हैं। सेलेब्स से लेकर फैंस तक उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं, तो वहीं ऋतिक की कथित गर्लफ्रैंड सबा आजाद ने भी उनकी तस्वीरों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

ऑल ब्लैक में डैशिंग नजर आए ऋतिक रोशन-

ऋतिक रोशन ने अपने इंस्टाग्राम पर जो पोस्ट की है, उन तस्वीरों में वह एक ऑल-ब्लैक लुक में नजर आ रहे हैं। उन्होंने ट्रेंडी ब्लैक डेनिम के साथ ब्लैक टी-शर्ट पहनी हुई है और साथ में सनग्लासेस लगाए हुए दिखाई दे रहे हैं। ऋतिक ने अपने लंबे बालों को पोनीटेल में बांधा हुआ है और उनकी घनी और बड़ी दाढ़ी उनके रफ लुक को और भी ज्यादा हैंडसम बना रही है।

सबा आजाद ने दी ऋतिक की पोस्ट पर ऐसी प्रतिक्रिया-

अपने इंस्टाग्राम से तस्वीरों को शेयर करते हुए ऋतिक रोशन ने कैप्शन में लिखा- आंतरिक वेधा को प्रसारित करते हुए। हमेशा की तरह ऋतिक की पोस्ट पर एक के बाद एक तारीफों में कमेंट की बौछार हो रही है। स्टाइलिस्ट अक्षय त्यागी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, उफ्फ्फ्फ्फ़! तो वहीं जायद खान ने लिखा, किलिंग इट ब्रदर! इसी तरह ऋतिक रोशन की कथित गर्लफ्रेंड सबा आजाद ने भी उनकी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा-, क्यों हैलो। इसी के साथ उन्होंने ब्लैक हार्ट इमोजी भी पोस्ट की।

क्या केजीएफ 2 तोड़ पाएगी बाहुबली 2 का रिकॉर्ड?

इतना रह चुका है यश की फिल्मों का कलेक्शन

हिंदी सिनेमा में धमाल मचाने वाले कन्नड़ अभिनेता यश की ब्लॉकबस्टर फिल्म केजीएफ का चैप्टर 2 सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है। 14 अप्रैल, 2022 को थिएटर्स में आने वाली इस फिल्म में यश रॉकी भाई का किरदार निभा रहे हैं। वहीं संजय दत्त अधीरा के किरदार में नजर आ रहे हैं, जिनकी यश (रॉकी भाई) के साथ जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिलेगी। फैंस के बीच फिल्म को लेकर जो उत्साह है, उसे देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यश की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर प्रभास की फिल्म बाहुबली 2 का रिकॉर्ड तोड़ने वाली है। लेकिन आपको बता दें कि यश ने केवल यही एक ब्लॉकबस्टर फिल्म नहीं दी है। इससे पहले भी उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा चुकी हैं। केजीएफ चैप्टर 2 से पहले आप इन फिल्मों को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं। वर्ष 2012 में रिलीज़ हुई एक रोम-कॉम थ्रिलर है, जिसे योगराज मूवीज और जयन्ना कॉम्बिनेशन के बैनर तले योगराज भट द्वारा निर्देशित और सह-निर्मित किया गया था। इसमें यश, सतीश नीनासम, राधिका पंडित, सिंधु लोकनाथ मुख्य भूमिकाओं में हैं और स्वर्गीय विद्रोही स्टार अंबरीश ने इस फिल्म में एक कैमियो रोल निभाया था। यह फिल्म सिनेमाघरों में लगभग 12 करोड़ की कमाई के साथ 100 दिन पूरे करके वर्ष 2012 की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी और सिनेमा पंडितों द्वारा इसे ब्लॉकबस्टर घोषित किया गया था। गुगली रोम-कॉम फिल्म थी, जिसे पवन वाडेयार द्वारा लिखित और निर्देशित किया गया था। वर्ष 2013 में रिलीज़ हुई इस फिल्म का निर्माण जयन्ना कंबाइन द्वारा किया गया था, जिसमें यश और कृति खरबंदा मुख्य भूमिकाओं में थे। अनंत नाग और साधु कोकिला ने इस फिल्म में प्राथमिक सहायक भूमिकाएं निभाई थीं। यह वर्ष 2013 में केएफआई में सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर बन गई और तीसरे साउथ इंडिया इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड्स में कई पुरस्कार नामांकन जीते। फिल्म ने सिनेमाघरों में 100 दिन का सफर पूरा किया था।

कॉमेडी -

ड्रामा फिल्म है, जिसे एसआर प्रभाकरण द्वारा लिखा और के मंजू प्रोडक्शंस के तहत गुरु देशपांडे द्वारा निर्देशित किया गया था। यह फिल्म तमिल फिल्म सुंदरपांडियन की रीमेक थी, जो साल 2012 में रिलीज हुई थी। राजा हुली ने बॉक्स-ऑफिस पर 120 दिनों तक व्यापार किया था। ड्रामा और गुगली के बाद यह यश की लगातार तीसरी हिट बन गई। गजकेसरी उन सभी लोगों के लिए जवाब था, जिन्होंने कहा था कि 2015 में कन्नड़ फिल्मों की क्वालिटी और कंटेंट दोनों खराब होते जा रहे हैं। कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी फिल्म पहली बार बनी है। इससे पहले किसी ने भी ऐसा प्रयास नहीं किया था। फिल्म को इसके वीएफएक्स और सिनेमैटोग्राफी के लिए भी सराहा गया था। फिल्म का निर्देशन सिनेमैटोग्राफर कृष्णा ने किया था। फिल्म का निर्माण जयन्ना कंबाइन्स ने किया था। चर्चा थी कि फिल्म ने रिलीज से पहले ही अपनी मेकिंग कॉस्ट वसूल कर ली थी।

शनिवार को डबल हुआ 'आरआरआर' का कलेक्शन, अजय देवगन के किरदार का कमाल

अपने जन्मदिन पर अभिनेता अजय देवगन भले अपनी फिल्म 'रनवे 34' का नया गाना अपने प्रशंसकों को सुनाने की कोशिश दिन भर करते रहे हों, लेकिन उनके प्रशंसकों ने उनका दीदार जीभर करके किया फिल्म 'आरआरआर' में। अजय देवगन को फिल्म 'आरआरआर' ने उनके जन्मदिन का सबसे बड़ा तोहफा दिया। इस फिल्म का शनिवार का कलेक्शन शुक्रवार के मुकाबले करीब करीब दो गुना हो गया। पहले सप्ताहांत में कमाल का कारोबार करने के बाद फिल्म 'आरआरआर' का कलेक्शन सोमवार से गुरुवार तक लगातार गिरता ही रहा लेकिन शुक्रवार को मुकाबले में कोई बड़ी फिल्म न होने का फायदा इसको मिला और शुक्रवार को तो फिल्म का कलेक्शन बढ़ा ही, शनिवार को तो ये कलेक्शन शुक्रवार का भी दूना हो गया।

कार एक्सीडेंट के बाद अब ऐसी है मलाइका अरोड़ा की हालत

मुंबई से सटे पनवेल इलाके में शनिवार को बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा की कार का एक्सीडेंट हो गया था। जानकारी के मुताबिक अभिनेत्री की कार के ड्राइवर ने अपना संतुलन खो दिया और एक्सप्रेसवे पर 3 अन्य कारों से जा टकराई।

दुर्घटना के वक्त आंख के पास चोट लगने की वजह से मलाइका अरोड़ा को अस्पताल भर्ती कराया गया था। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक ÷मलाइका अरोड़ा इस घटना की वजह से हिल गई हैं, लेकिन अभी उनकी हालात स्थिर है। अभिनेत्री को कुछ टांके लगे हैं। उसके सिर पर कोई बड़ी चोट नहीं लगी है। करीबी सूत्रों द्वारा यह भी दावा किया जा रहा है कि मलाइका अरोड़ा को रविवार दोपहर तक घर वापस जाने की अनुमति दे दी जाएगी। बता दें कि दुर्घटना के समय मलाइका अपनी रेंज रोवर में थीं और उनकी कार बाकी दो कारों के बीच फंस गई। वह एक फैशन इवेंट में शिरकत करने गई थीं। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना कैसे हुई इस मामले की जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। मलाइका ने शनिवार दोपहर एक फैशन इवेंट में शिरकत की थी और सोशल मीडिया पर उसी के बारे में अपडेट भी साझा किया था।

शादी के बाद भी नहीं मिला पत्नी का दर्जा,

ऐसी रही बॉलीवुड अदाकारा जयाप्रदा की ट्रैजिक लव स्टोरी

80 और 90 के दशक की मशहूर और खूबसूरत अदाकारा जया प्रदा 3 अप्रैल को अपना जन्मदिन सेलिब्रेट करती हैं। 3 अप्रैल 1962 में आंध्र प्रदेश में जन्मी जया का नाम ललिता रानी हुआ करता था, जो बाद में बदलकर जया प्रदा हो गया। अभिनेत्री जया ने महज 13 साल की उम्र में अपने करियर की शुरुआत की कर दी थी और इस समय वह एक पॉलिटिशियन के रूप में सक्रिय हैं। अपने जमाने में कई बड़े सितारों के साथ उनकी जोड़ी हिट साबित हुई, आज भी लोग उनके अभिनय के कायल हैं। हालांकि बड़े पर्दे पर अपना लोहा मनवाने वाली जयाप्रदा की पर्सनल लाइफ उतनी अच्छी नहीं रही और उन्हें अपनी जिंदगी में काफी कुछ झेलना पड़ा। तो चलिए आइए आपको बताते हैं जया प्रदा की शादी से जुड़ी बातें... अभिनेत्री जया प्रदा और फिल्म निर्माता श्रीकांत नाहटा के रिश्ते में होने की चर्चा मीडिया में खूब हुआ करती थीं हालांकि दोनों ने हमेशा इस रिश्ते को सिर्फ दोस्ती का ही नाम दिया, लेकिन साल 1986 में जब जया प्रदा का करियर ऊंचे पायदान पर था तब उन्होंने 22 जून को श्रीकांत नाहटा से शादी कर ली थी. लेकिन श्रीकांत पहले से शादीशुदा थे और इस तरह से जया को उनकी दूसरी पत्नी का तमगा मिला।

मार्च में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा GST कलेक्शन

■ 9वें महीने 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की वसूली

नई दिल्ली। मार्च महीने में जीएसटी कलेक्शन में नया रिकॉर्ड बना दिया है। इस महीने का कलेक्शन 1.42 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जो पिछले महीने की तुलना में 6.8 फीसदी ज्यादा है। मार्च 2022 महीने में जीएसटी से होने वाला कलेक्शन पिछले साल के इसी महीने के तुलना में 15 फीसदी ज्यादा है जबकि मार्च 2020 की तुलना में 46 फीसदी ज्यादा है। 1 अप्रैल 2022 को वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 1.42 लाख करोड़ रुपये के इस कुल जीएसटी कलेक्शन में सेंट्रल जीएसटी का हिस्सा 25,830 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी का हिस्सा 32,378 करोड़ रुपये, इंटिग्रेटेड जीएसटी का आंकड़ा 74,470 करोड़ रुपये और कॉम्पेंसेशन सेस का हिस्सा 9,417 करोड़ रुपये रहा। मार्च महीने में सरकार ने इंटिग्रेटेड जीएसटी से सेंट्रल जीएसटी में 29,816 करोड़ रुपये और स्टेट जीएसटी में 25,032 करोड़ रुपये का सेटलमेंट किया है। इसके अलावा सरकार ने अपने स्टेटमेंट में यह भी बताया कि केंद्र सरकार ने इस महीने केंद्र और राज्य/ केंद्र शासित प्रदेशों के बीच 50ऱ्50 के अनुपात में एड-हॉक बेसिस पर ढ्ढत्रस्ञ्ज के 20,000 करोड़ रुपये का सेटलमेंट किया है। जिसके चलते इस सेटलमेंट के बाद इस महीने के कुल जीएसटी रेवेन्यू में केंद्र सरकार की हिस्सेदारी 65,646 करोड़ रुपये और राज्य सरकारों की हिस्सेदारी 67,410 करोड़ रुपये रही। सरकार ने यह भी बताया है कि फरवरी 2022 में 6.91 करोड़ ई-वे बिल जेनरेट हुए थे जबकि जनवरी 2022 में 6.88 करोड़ ई-वे बिल जेनरेट हुए थे।

आयुर्वेद के खजाने से वेदिक्स की नई पेशकाश

मुंबई। भारत के सबसे बड़े customised आयुर्वेद सौंदर्य ब्रांड वेदिक्स ने बॉडी केयर रेंज के लॉन्च की घोषणा की। रेंज में 8 उत्पाद शामिल होंगे जो 2 सुगंधों में आएंगे - लैवेंडर ब्लूम और केसर ब्लिस। रेंज में

बॉडी ऑयल, बॉडी स्क्रब, बॉडी वॉश और बॉडी लोशन शामिल हैं। वेदिक्स का लक्ष्य अपने ग्राहकों के लिए सभी सौंदर्य आवश्यकताओं के लिए वन स्टॉप शॉप बनना है। ब्रांड के पास पहले से ही customised त्वचा और बालों की देखभाल रेंज है। बॉडी केयर रेंज सभी सौंदर्य आवश्यकताओं के लिए एक संपूर्ण समाधान सुनिश्चित करेगी। आयुर्वेद स्वास्थ्य और सुंदरता का एक रमणीय संयोजन है। आयुर्वेद की वैज्ञानिक रूप से सटीक दैनिक दिनचर्या (दिनाचार्य) आपकी त्वचा और बालों को अच्छे स्वास्थ्य में बनाए रखती है। अच्छी दिनचर्या स्थापित करना स्वास्थ्य की ओर पहला कदम है।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। *मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज (शुक्रवार) को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। धातुओं की कीमतों पर डॉलर में मजबूती और रूस-यूक्रेन युद्ध का असर दिखाई दिया। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कांट्रैक्ट्स रोककर यूरोप को धमकी दी है।*

एमएसीएक्स पर गोल्ड की चमक फीकी

एमएसीएक्स पर फिलहाल 3 जून को मैच्योहर होने वाला सोना फ्यूचर्स 0.41 फीसद की कमजोरी के साथ 5,953 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं 5 मई को मैच्योर होने वाली चांदी फ्यूचर्स 0.40 फीसद की गिरावट के साथ 67,217 रुपए प्रति किलो चल रहा है।

10 ग्राम सोने का भाव इतना: *हालांकि देश में ज्वैलर्स की दुकानों पर सोने और चांदी की कीमतों में मजबूती देखने को मिली। गुरुवार को 24 कैरेट वाले गोल्ड की कीमत 52,470 रुपए प्रति 10 ग्राम रही। सिल्वर की कीमतें 800 रुपए की मजबूती के साथ 67,600 रुपए प्रति किलोग्राम रहीं।*

गोल्ड पर कितना है सपोर्ट

आईआईएफएल सिक्योरिटीज ने अपनी कमोडिटी मंत्रा रिपोर्ट में बताया कि रूस–यूक्रेन युद्ध और महंगाई बढ़ने से गुरुवार को गोल्ड के लिए सेफ हैवन आकर्षण में बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार आवरली चार्ट पर सोने के 55 पीरियड ईएमए तक नीचे गिरने से खरीदारी के मौके मिल सकते हैं। इंट्राडे में सोने को 51800–51500 पर सपोर्ट है। वहीं इंट्राडे में चांदी 67000–66500 पर सपोर्ट है।

कैसे चेक करें सोने की शुद्धता: *सोने की शुद्धता चेक करने के लिए सरकार ने एप बनाया है। जिसमें लोग गोल्ड की शुद्धता की जांच कर सकते हैं।*

बिगड़ा घर का बजट

गैस और पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोतरी संभव

नई दिल्ली। कल यानी 1 अप्रैल से नए वित्त वर्ष की शुरुआत हो रही है। नए माह में घर का बजट बिगड़ सकता है। ग्लोबल मार्केट में गैस की कीमत में तेजी से वृद्धि हो रही है। वहीं नेचुरल गैस की कीमत में भी नए वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़ोतरी संभव है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार 1 अप्रैल से नेचुरल गैस की कीमत दोगुना हो सकती है। इससे भारत में महंगाई बढ़ेगी। वह सीएनजी और एलएनजी गैस महंगी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक केंद्र सरकार प्राकृतिक गैस की कीमत ओल्ड ऑयल फील्ड के लिए बढ़कर 6.1 डॉलर प्रति मिलियन मिट्रीक ब्रिटिश थर्मल यूनिट कर सकती है। फिलहाल यह 2.90 प्रति मिलियन मिट्रिक है।

दो बार कीमत में बदलाव

बता दें सरकार एक वित्त वर्ष में दो बार नेचुरल गैस की कीमत में बदलाव करती है। पहला बदलाव 1 अप्रैल से 30 सितंबर तक लागू रहता है। वहीं दूसरा बदलाव 1 अक्टूबर से 31 मार्च तक रहता है। कहा जा रहा है कि जल्द ही कीमत में बदलाव की घोषणा की जाएगी।

रसोई गैस महंगी हो जाएगी

अगर प्राकृतिक गैस की कीमतों में वृद्धि होती है। तब रसोई गैस की कीमत बढ़ जाएगी। वहीं पावर और फर्टिलाइजर सेक्टर में भी नेचुरल गैस का उपयोग होता है। गैस की कीमत में बढ़ोतरी से यहां भी असर दिखाई देगा। बता दें अगर प्राकृतिक गैस के दाम पर 1 डॉलर की बढ़ोतरी होती है, तो सीएनजी के दाम 4.5 रुपए प्रति किलो तक बढ़ जाते हैं। इस प्रकार सीएनजी के दामों में 15 रुपए प्रति किलो तक वृद्धि हो सकती है।

महंगे तेल से किस तरह असर होता है

अगर कच्चे तेल की कीमत में 10 डॉलर प्रति बैरल का उछाल आता है। तब महंगाई में 20-25 बेसिस प्वाइंट्स की तेजी आती है। इससे करेंट खाता डेफिसिट में 0.30त्न का उछाल आता है। वहीं भारत के ग्रोथ रेट पर 15त्न बेसिस प्वाइंट्स का असर होता है।

एक्सिस बैंक के ग्राहकों के लिए खुशखबरी

नई दिल्ली। मार्च महीने में कई बैंकों ने फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। अब एक्सिस बैंक ने भी अपने एफडी की ब्याज दरें में बदलाव किया है। प्राइवेट बैंक ने सिर्फ एक मैच्योरिटी पीरियड वाले एफडी के रेट्स में वृद्धि की है। इसके तहत अगर ग्राहक 1 वर्ष 11 दिन से लेकर 1 साल 25 दिन से कम अवधि के लिए दो करोड़ से कम का डिपॉजिट करता है। तब उसे अधिक फायदा होगा। नई दरें 21 मार्च से लागू हो गई हैं। एक्सिस बैंक के आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक 1 करोड़ से कम की एफडी पर ब्याज दर अब 5.35 फीसदी कर दी गई है। बैंक ने हाल ही में सभी अवधियों के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरों में संशोधन किया था। 2 साल से 5 साल से कम समय में मैच्योर होने वाली एफडी के लिए बैंक 5.40त्न की ब्याज दर देता है।

CoinDCX ने क्रिप्टो में अनुशासित निवेश के लिए लॉन्च किया क्रिप्टो इन्वेस्टमेंट प्लान

मुम्बई। भारत के पहले क्रिप्टो एक्सचेंज यूनिकॉर्न, कॉइनडीसीएक्स ने आज अपना क्रिप्टो इन्वेस्टमेंट प्लान (सीआईपी) लॉन्च करने की घोषणा की। यह अनूठा प्रॉडक्ट निवेशकों को नियमित अंतराल पर क्रिप्टो में एक निश्चित धनराशि निवेश करने में मदद करेगा। इस फीचर के साथ, निवेशक को बाजार को लेकर समय के बारे में सोचने पर अधिक जोर नहीं देना पड़ेगा और निवेशक बाजार की अस्थिरता को बेहतर ढंग से प्रबंधित करते हुए लंबी अवधि के लिए निवेश कर सकता है, और समय के साथ धनराशि के चक्रवृद्धि प्रभाव का लाभ उठा सकता है। क्रिप्टो इन्वेस्टमेंट प्लान (सीआईपी) अनुशासित निवेश के जरिये अपना निवेश बढ़ाने वाले क्रिप्टो निवेशकों के लिए एक आदर्श चैनल के रूप में कार्य करता है, जो उन्हें निवेशकों की जोखिम क्षमता के अनुसार निवेश करने की अनुमति देता है। सीआईपी को निवेश में अनुशासित दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है जो साप्ताहिक आधार पर निवेश की किश्तों की पेशकश करता है, और जिसमें निवेशक हर सप्ताह एक निश्चित राशि का निवेश कर सकते हैं। यह उपयोगकर्ताओं को रुपये-लागत औसत समय के साथ बाजार में उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने और क्रिप्टो की अस्थिर प्रकृति का मुकाबला करने में सक्षम बनाता है। ग्राहकों को चक्रवृद्धि रिटर्न से लाभ होता है, जिससे वे लंबी अवधि के आधार पर अपनी डिजिटल संपत्ति बना सकते हैं। नये फीचर के बारे में कॉइनडीसीएक्स के सीईओ एवं सह-संस्थापक सुमित गुप्ता ने बताया कि ÷खुदरा निवेशक अक्सर खुद को दुविधा की स्थिति में पाते हैं कि किस संपत्ति में निवेश करें और किस कीमत पर निवेश करें

सरकार ने करदाताओं से मांगी विदेशी सेवानिवृत्ति लाभ खातों से होने वाली आय की जानकारी

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने आयकर रिटर्न फार्म 1-5 को अधिसूचित किया है। आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2021-22 का आयकर रिटर्न भरने के लिए फार्म को अधिसूचित कर दिया है। इनमें करदाताओं से विदेशी सेवानिवृत्ति लाभ खातों से होने वाली आय की जानकारी भी मांगी गई है। आइटीआर फार्म 1 (सहज) और आइटीआर फार्म 4 (सुगम) सरल रूप हैं। यह बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम करदाताओं की जरूरतों को पूरा करते हैं। सहज फार्म 50 लाख रुपये तक की आय वाले वे व्यक्ति भर सकते हैं जो वेतन, एक मकान/अन्य स्त्रोतों (ब्याज आदि) से आय प्राप्त

करते हैं। जबकि आइटीआर-4 वे व्यक्ति या हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) और कंपनियां भर सकती हैं जिनकी आय कारोबार और पेशे से 50 लाख रुपये तक है। आइटीआर-तीन वे व्यक्ति भर सकते हैं, जिन्हें कंपनियों/पेशे से लाभ के रूप में आय प्राप्त होती है। जबकि आइटीआर-5 सीमित दायित्व भागीदारी (एलएलपी) द्वारा भरा जाता है। आइटीआर-1 मोटे तौर पर पिछले वर्ष की तरह ही है, बस जो नई जानकारी इसमें मांगी गई है वह है शुद्ध वेतन की गणना के लिए किसी अन्य देश में सेवानिवृत्ति लाभ खाते से होने वाली आय है।

आवश्यकता
युवा प्रदेश नेटवर्क
मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।
युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)